दैनिक
सांध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

वर्ष 52/ अंक 303/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, सोमवार 26 जून 2023 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

विदेश यात्रा से लौटते ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को दिल्ली में एक महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान गृह मंत्री अमित शाह, वित्त मंत्री निर्मला सीतामरण, शहरी विकास मंत्री हरदीप पुरी समेत कई अधिकारी मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री बूथ समिति सदस्यों को बताएंगे चुनाव में जीत का मंत्र

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 27 जून को बीजेपी के बूथ समिति सदस्यों को जीत का मंत्र देंगे। पीएम के इस दौरे से एक दिन पहले सोमवार को बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष भी आ रहे हैं। वे देशभर की सभी लोकसभा सीटों से चयनित बूथ कार्यकर्ताओं से चर्चा करेंगे।

भारतीय जनता पार्टी ने 22 तरह के काम करने का टास्क हर बूथ समिति को दिया था। इसके लिए पैरामीटर तय किए थे। इसमें बूथ पर बनाई जाने वाली समिति में उस क्षेत्र के सभी वर्गों के लोगों और महिलाओं की भागीदारी हो। पूरी जानकारी बूथ समिति एप पर दर्ज कर डिजिटलाइज हो। बूथ समिति के सदस्यों की सोशल मीडिया पर सक्रियता हो। साथ ही पार्टी के कार्यक्रमों का समयबद्ध आयोजन और उसकी रियल टाइम एप पर ऑनलाइन रिपोर्टिंग भी हो। ऐसे पैरामीटर पर खरे उतरने वाले 10-10 सुपर एक्टिव बूथ लेवल वर्कर्स को भोपाल में होने वाले बूथ प्रशिक्षण के लिए शॉर्ट लिस्ट किया गया।

इन 10 कार्यकर्ताओं में से भी 5 कार्यकर्ताओं का इंटरव्यू के जरिए भोपाल के कार्यक्रम के लिए चयन किया गया। भोपाल में ट्रेनिंग पूरी होने के बाद इन्हें मिशन 7-दिन पर लगाया जाएगा। ट्रेनिंग लेने के बाद इन्हें जो राज्य आवंटित किया जाएगा, वहां जाकर सात दिन में वहां के सभी मंडल की बूथ समितियों को प्रशिक्षण देना होगा। 4 जुलाई से बूथ समितियों के सम्मेलन होंगे। सभी लोकसभा सीटों से दस-दस सुपर एक्टिव बूथ लेवल वर्कर्स के नाम सिलेक्ट कर भाजपा के केंद्रीय कार्यालय को भेजे गए। यहां से अलग-अलग राज्यों के सभी बड़े नेताओं, प्रदेश अध्यक्ष, मुख्यमंत्री, प्रदेश पदाधिकारी, सांसदों को किसी दूसरे राज्य की एक लोकसभा सीट के 10 कार्यकर्ताओं का वर्चुअल इंटरव्यू लेने को कहा गया। इंटरव्यू के बाद 10 में से 5 कार्यकर्ता भोपाल के कार्यक्रम के लिए चयनित किए गए।

3 हजार कार्यकर्ता- बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष सोमवार को देशभर की सभी 543 लोकसभा सीटों के चयनित कार्यकर्ताओं से चर्चा करेंगे। इन्हें ट्रेनिंग भी देंगे। अगले दिन मंगलवार को प्रधानमंत्री इन 3 हजार कार्यकर्ताओं को बूथ जीतने की प्लानिंग के बारे में प्रशिक्षण देंगे। ट्रेनिंग के बाद कार्यकर्ताओं को अगले सात दिन के लिए उन राज्यों में भेजा जाएगा, जहां इस साल के अंत में चुनाव होने हैं। कार्यकर्ताओं को अल्पकालीन विस्तारक नाम दिया गया है।

सांध्यप्रकाश विशेष

नेशनल एकेडमी ऑफ इन्वेंटर्स का पुरस्कार समारोह

दुनिया के 95 वैज्ञानिकों में मध्यप्रदेश की बेटी पल्लवी तिवारी भी शामिल

भोपाल। अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में 26 जून शाम 6 बजे आयोजित भव्य अवॉर्ड सेरेमनी में मध्य प्रदेश की बेटी पल्लवी तिवारी को नेशनल एकेडमी ऑफ इन्वेंटर्स में सीनियर मेंबर के तौर पर शामिल किया जा रहा है।

पल्लवी वर्तमान में अमेरिका के सुप्रसिद्ध विस्कॉन्सिन-मैडिसन विश्वविद्यालय में साइंटिस्ट, रेडियोलॉजी और बायोमेडिकल इंजीनियरिंग की एसोसिएट प्रोफेसर और कैंसर सेंटर में इमेजिंग और रेडिएशन साइंसेज विभाग की को डायरेक्टर है। पल्लवी तिवारी को नेशनल एकेडमी ऑफ इन्वेंटर्स वाशिंगटन में आयोजित बारहवें वार्षिक सम्मलेन में एनएआई के सीनियर मेंबर के तौर पर शामिल किया जा रहा है। इस मीट में रिसर्च के क्षेत्र में दुनिया की अलग-अलग यूनिवर्सिटी में कार्यरत सिर्फ 95 साइंटिस्ट शामिल होंगे। पल्लवी तिवारी शोध के क्षेत्र में दुनिया के विभिन्न विश्वविद्यालयों में कार्यरत सिर्फ उन 95 लोगों में शामिल हैं जिनका चयन एनएआई ने सीनियर मेंबर के तौर पर किया है। यह महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करने वाली पल्लवी मध्य प्रदेश की एकमात्र महिला है।

नेशनल एकेडमी ऑफ इन्वेंटर्स ने पल्लवी तिवारी को सीनियर मेंबर के तौर पर शामिल करते हुए बधाई दी है. शोध के क्षेत्र में अमेरिका में पिछले 10 साल से काम करते हुए पल्लवी तिवारी को इससे पहले भी कई सम्मान प्राप्त हो चुके हैं। केंद्र सरकार द्वारा चयनित भारत की 100 वुमन अचीवर में पल्लवी भी शामिल है और इसके लिए तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी द्वारा उन्हें सम्मानित किया गया था।

प्रधानमंत्री की अगवानी के लिए सजी राजधानी

सीएम ने की तैयारियों की समीक्षा

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगवानी के लिए राजधानी पलक पांवड़े बिछा रही है। पीएम का रोड शो निरस्त कर दिया गया है, वे एक करोड़ आयुष्मान कार्ड वितरित करेंगे और सिकलसेल मिशन का शुभारंभ करेंगे। साथ ही भोपाल से वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। भोपाल के कई रास्ते कार्यक्रमों के चलते बंद कर दिए गए हैं। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज आयुष्मान कार्ड वितरण और सिकलसेल मिशन की लॉन्चिंग कार्यक्रम से जिलों के वर्चुअली जुडने और होने वाले 25000 कार्यक्रमों के लिए जिलों में जारी तैयारियों की वर्चुअली समीक्षा की।

जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कल 27 जून को भोपाल में रहेंगे। उनका रोड शो खराब मौसम की वजह से रद्द कर दिया गया है। वे मध्य प्रदेश को दो नई वंदेभारत एक्सप्रेस ट्रेनों की सौगात देंगे। जिसमें इंदौर से भोपाल और भोपाल से जबलपुर ट्रेनें शामिल हैं। इसमें मध्य प्रदेश के मन में हैं मोदी का भाव दिखेगा। रानी कमलापति स्टेशन प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के लिए तैयारियां जोरों से चल रहीं हैं। इसका इनॉग्रल रन 27 जून रानी कमलापति स्टेशन से किया जाएगा। यहां से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सुबह 10.30 बजे एक साथ 2 ट्रेनों को हरी झंडी दिखाएंगे। इस दौरान एक ट्रेन जबलपुर और दूसरी इंदौर के लिए रवाना होगी। इस दिन यह ट्रेने अपने मुख्य स्टॉप के अलावा गाडरवारा, श्रीधाम, ओबेदुल्लागंज, सीहोर, मक्सी, शुजालपुर आदि जैसे स्टेशनों पर हॉल्ट लेंगी। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि मुख्य स्टौपेज के अलावा इन स्टाप पर भी ट्रेन का स्वागत एरिया के जन प्रतिनिधि एवं आम लोग करेंगे। बता दें कि इनॉग्रल रन में यह ट्रेने रानी कमलापति से जबलपुर 5 घंटे.40 मिनट में पहुंचेगी तो जबलपुर 3 घंटे 48 मिनट में इंदौर पहुंचेगी।

मिनट टू मिनट कार्यक्रम

- सुबह 8.35 बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिल्ली से भोपाल के लिए रवाना होंगे। 9.50 बजे भोपाल एयरपोर्ट पहुंचेंगे।
- सुबह 10.15 बजे भोपाल एयरपोर्ट से बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के लिए हेलीकॉप्टर में उड़ान भरेंगे।
- सुबह 10.30 बजे बरकतउल्ला विश्वविद्यालय से भोपाल के रानी कमलापति स्टेशन के लिए रवाना होंगे।
- सुबह 11.00 बजे रानी कमलापति स्टेशन पर वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे।
- सुबह 11.05 बजे सड़क मार्ग से लाल परेड मैदान के लिए पीएम मोदी रवाना होंगे।
- सुबह 11.15 से 12.15 बजे तक मेरा बूथ सबसे मजबूत बीजेपी कार्यकर्ता सम्मेलन में शिरकत करेंगे।
- दोपहर 12.30 बजे भोपाल के लाल परेड मैदान से हवाई मार्ग से भोपाल एयरपोर्ट के लिए रवाना होंगे।
- दोपहर 12.55 बजे भोपाल से जबलपुर एयरपोर्ट के लिए रवाना होंगे।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश के लोकतंत्र सेनानियों के सम्मेलन का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री निवास परिसर में हुए सम्मेलन में पधारे लोकतंत्र सेनानियों का श्री चौहान ने अंगवस्त्रम पहना कर स्वागत किया।

आप जितनी भी गाली दें, जनता का आशीर्वाद हमें मिलेगा: कमलनाथ

भोपाल। पीसीसी चीफ कमलनाथ ने कहा है कि बीजेपी नेताओं में मुझे गाली देने की होड़ लगी है, ये लोग निचली राजनीति पर आ गए हैं। लेकिन ये जान लें, जितनी गाली दें, जनता का आशीर्वाद हमें मिलेगा। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में संवाददाताओं से चर्चा करते हुए कमलनाथ ने कहा, भाजपा वाले अपनी बात करें अपने कार्यकाल बताएं, पर इनके पास एक ही एजेंडा बचा है कमलनाथ को गाली दो।

पीएम मोदी के दौरे पर कमलनाथ ने कहा, अच्छा है प्रधानमंत्री आ रहे हैं अपनी आंखों से यहां भ्रष्टाचार देखें। कैसे मध्य प्रदेश भ्रष्ट प्रदेश बन गया है। प्रदेश में चल रही पोस्टर पॉलिटिक्स पर उन्होंने कहा, पोस्टर की शुरआत किसने की थी? पहले थर्ड पार्टी से इन्होंने लगवाए फिर और लोगों ने भी लगा। उन्होंने कहा कि इन्हें दिन रात सपने में केवल कमलनाथ दिखते हैं।

जबलपुर में वेदिका ठाकुर की अस्पताल में मौत, प्रियांश पर दर्ज होगा हत्या का केस

जबलपुर। भाजयुमो नेता की गोली का शिकार हुई एमबीए छात्रा वेदिका सिंह जिंदगी और मौत की लड़ाई हार गई। अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। अब प्रियांश के ऊपर हत्या का केस दर्ज होगा। भारतीय जनता युवा मोर्चा के रानी दुर्गावती के पूर्व मंडल अध्यक्ष प्रिशांय विश्वकर्मा की फायरिंग में घायल हुई थी। नागरथ चौक निवासी एमबीए छात्रा वेदिका सिंह की हालत लगातार बिगड़ रही थी। उसके शरीर के कई अंगों ने काम करना बंद कर दिया था। उसे वेंटीलेटर में रखा गया था।

बारिश: 5 राज्यों में 16 की मौत, केदारनाथ यात्रा रोकी गई, कुल्लू-मंडी हाईवे जाम

नई दिल्ली। पिछले चौबीस घंटों के दौरान देशभर में हुई बारिश से पांच राज्यों में 16 लोगों की जान गई है। राजस्थान में बिजली गिरने के अलग-अलग हादसों में 4 लोगों की जान गई। अगले दो दिन तक मध्यप्रदेश समेत 25 राज्यों में भारी से बहुत भारी बारिश होने का अनुमान है। मुंबई में दो इमारतों का हिस्सा गिरने से छह लोगों की मौत हुई, जबकि दिल्ली रेलवे स्टेशन पर बिजली के खंभे से करंट लगने से एक महिला की जान चली गई। उत्तराखंड के कई हिस्सों में बारिश के चलते तीन लोगों की मौत की खबर है। बद्रीनाथ हाईवे बह गया है। खराब मौसम की वजह से केदारनाथ यात्रा रोक दी गई है। जबकि उत्तर प्रदेश के अयोध्या में दीवार गिरने से दो लोगों की मौत हुई। हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले में बादल फटने की घटना हुई है। मंडी जिले में बाढ़ से 200 लोग फंस गए। मंडी-कुल्लू और चंडीगढ़-मनाली नेशनल हाईवे ब्लॉक होने से सैकड़ों गाड़ियां फंसी हुई हैं।

मौसम विभाग के मुताबिक, झारखंड, हिमाचल, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, मध्य प्रदेश, कोंकण-गोवा, छत्तीसगढ़, असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, पूर्वी राजस्थान, गुजरात,

मध्य महाराष्ट्र, विदर्भ, तटीय कर्नाटक और केरल में आज और कल दो दिन भारी बारिश हो सकती है। खराब मौसम के चलते श्रीनगर से जम्मू के लिए उड़ान भरने वाली इंडिगो फ्लाइट दो बार पाकिस्तान सीमा में जा पहुंची। बाद में इस फ्लाइट की अमृतसर में इमरजेंसी लैंडिंग करवानी पड़ी।

हिमाचल प्रदेश में मानसून दस्तक देते ही तबाही मचाने लगा है। कई जगह बारिश आफत लेकर आई। कुल्लू-मंडी-रामपुर में बाढ़ से कई जगह जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। हमीरपुर में सुजानपुर के खैरी में रविवार को बादल फटने से पांच घरों में मलबा घुस गया। तहसीलदार सुजानपुर अशोक पठानिया ने बताया कि छह लोगों को रेस्क्यू किया गया है। कांगड़ा के नगरोटा बगवां के उपरली मझेटली में बिजली गिरने से मां और डेढ़ साल का बच्चा झुलस गए।

उन्हें नगरोटा अस्पताल में भर्ती किया गया है। मंडी के सराज की तुंगधार और कुल्लू की मौहल खड्ड में बाढ़ से एक दर्जन वाहन बह गए और कई घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। मंडी के शिकारी देवी में शनिवार रात 200 लोग फंस गए, जिन्हें छह घंटे बाद निकाला गया। प्रदेशभर में 85 सड़कें बंद हो गई हैं। 55 बिजली के ट्रांसफार्मरों को नुकसान पहुंचा है। उधर, कालका-शिमला रेलवे ट्रैक पर जगह-जगह पहाड़ियों से पत्थर, मलबा और पेड़ गिरने से दूसरे दिन भी सभी ट्रेनें रद्द हो गईं। कुल्लू की मौहल खड्ड में बाढ़ से आठ वाहन बह गए। आधी रात को कई लोगों को अपने वाहन निकालने पड़े। सराज के तुंगधार नाले में भी बाढ़ से चार गाड़ियां बह गईं, आधा दर्जन घरों को नुकसान पहुंचा। नरोली गांव के निकट एक दर्जन गांव बाढ़ की चपेट में आ गए। आधी रात को लोगों में अफरातफरी मच गई।

क्रिस्प मप्र की ब्लॉकचेन तकनीक से हरियाणा के 5 लाख विद्यार्थियों को डिजिटल सर्टिफिकेट देगा

क्रिस्प म.प्र. और बीएसईएच हरियाणा ने किया समझौता

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

क्रिस्प, मध्यप्रदेश स्वयं के द्वारा विकसित ब्लॉकचेन तकनीक से हरियाणा स्कूल शिक्षा बोर्ड को डिजिटल सर्टिफिकेट प्रिंटिंग और ऑनलाइन सत्यापन सेवा प्रदान करेगा। इसके लिये क्रिस्प मध्यप्रदेश और हरियाणा के स्कूल शिक्षा बोर्ड के बीच 22 जून को एग्रीमेंट हुआ। बीएसईएच के अध्यक्ष डॉ. वी.पी. यादव, और क्रिस्प के निदेशक अमोल वैद्य मौजूद रहे।

यह एग्रीमेन्ट दोनों संस्थाओं के बीच 3 साल के लिए हुआ है, जिसमे प्रतिवर्ष 5 लाख से अधिक नियमित और पूरक परीक्षाओं में उत्तीर्ण उम्मीदवारों के सर्टिफिकेट बनाए जाएंगे। सार्वजनिक ब्लॉकचेन तकनीक का उपयोग कर ब्लॉकचेन डिजिटल प्रमाण-पत्र तैयार करने के बाद प्रमाण-पत्र की प्रोसेसिंग की जाएगी। बीएसईएच की वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन सत्यापन के लिए छात्रों को एन्क्रिप्टेड डिजिटल प्रमाण-पत्र भी दिए जाएंगे, जिसमें बोर्ड के पास एन्क्रिप्टेड रिकॉर्ड्स का उपयोग करके रिकॉर्ड की भौतिक प्रतियों की छपाई का भी प्रावधान होगा। क्रिस्प के प्रबंध निदेशक डॉ. श्रीकांत पाटिल ने बताया कि, हरियाणा सरकार के साथ अपनी तरह का यह अनोखी पहल है, जिसमें छात्रों की बेहतरी के लिए क्रिस्प द्वारा विकसित ब्लॉकचेन तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। भविष्य में हम भारत के विभिन्न राज्यों के साथ भी काम करेंगे। आई. टी. के क्षेत्र में क्रिस्प नित नए कीर्तिमान गढ़ रहा है। संस्था को केपेबिलिटी मैच्युरिटी इंटीग्रेशन स्तर 5 का प्रमाणन भी प्राप्त है, जिसे आई. टी और ई-गवर्नेंस क्षेत्र में सबसे अच्छा प्रमाणन माना जाता है। अमोल वैद्य, निदेशक, क्रिस्प ने बताया कि ब्लॉकचेन-आधारित प्रमाणन प्रणाली का उद्देश्य पहचान की चोरी से संबंधित धोखाधड़ी गतिविधियों से बचाव करना और छात्रों को सही प्रमाण-पत्र देना है।

क्रिस्प के आई टी प्रमुख संदीप जैन ने बताया कि क्रिस्प मध्य प्रदेश और अन्य राज्यों में भी विभिन्न विभागों को अत्याधुनिक आईटी-सक्षम सेवाएँ प्रदान कर रहा है। उद्देश्य क्रिस्प को कौशल विकास का पर्याय बनाना है। क्रिस्प, शिक्षा प्रणाली में ऐसी उन्नत तकनीक लाने के लिए भारत भर के विभिन्न विश्वविद्यालयों के साथ काम कर रहा है। ब्लॉकचेन-आधारित प्रमाणन प्रणाली किसी भी माध्यमिक शिक्षा बोर्ड में अपनी तरह का पहला कार्यान्वयन है, जो बीएसई हरियाणा द्वारा उम्मीदवार को एक विकेंद्रीकृत मैकेनिज्म के माध्यम से इंडिविजुअल/ विशिष्ट डेटा को सत्यापित करते हुए रिकॉर्ड की प्रामाणिकता प्रदान करेगा।

सेंटर फॉर रिसर्च एंड इंडस्ट्रियल स्टाफ परफॉर्मेंस (क्रिस्प) प्रशिक्षण, अनुसंधान और कौशल विकास के क्षेत्र में पिछले 27 वर्षों से काम करता आ रहा है। यह संस्थान आईटी क्षेत्र में समाधान भी प्रदान करता है। क्रिस्प, भविष्यवादी प्रौद्योगिकी लैब, ब्लॉकचेन/ एआई/ एमएल/ रोबोटिक ऑटोमेशन और अन्य भविष्य की प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके उन्नत आईटी समाधान विकसित करता आ रहा है।

मुंगालिया से हरिहर मंदिर कजलास तक निकाला मार्च

कैचमेंट की समस्या को लेकर किसानों ने तेज किया आंदोलन

संत हिरदाराम नगर। भोपाल का मास्टर प्लान घोषित होने के बाद से ही बड़े तालाब के कैचमेंट क्षेत्र को लेकर किसानों ने आंदोलन तेज कर दिया है। जहां एक और किसान कैचमेंट क्षेत्र का दायरा बढ़ाने को लेकर आपत्ति लगा रहे हैं तो वहीं अब किसान आंदोलन पर भी उतारू हो गए हैं जिनका साथ भारतीय किसान संघ भी दे रहा है।

इसी को लेकर रविवार को किसानों ने मुंगालिया छाप से कजलास तक पद यात्रा निकाली ये पद यात्रा लखापुर ईंटखेड़ी होते हुए कजलास पहुंची। इस यात्रा का मकसद कैचमेंट से होने वाली समस्या को लेकर किसानों में जागरूकता पैदा करना था। समापन के मौके पर भोपाल के बड़े तालाब के कैचमेंट से प्रभावित 100 से अधिक गांव के लोगों की समस्या के बारे में चर्चा हुई इसके बाद आगे के आंदोलन की रूपरेखा बनाई जाएगी। इस मार्च में पूर्व जिला पंचायत सदस्य मनोहर सिंह ठाकुर, तेजपाल पाटीदार तहसील हुजूर उपाध्यक्ष भारतीय किसान संघ, शिवराज सिंह ठाकुर तहसील हुजूर सह मंत्री भारतीय किसान संघ, बाबूलाल नागर, किसान गणेश राम, ठाकुर प्रसाद, पाटीदार भगवान सिंह, पाटीदार रमेश पटेल, सहित कई किसान नेता और किसान उपस्थित रहे।

सुर शंकरा म्यूज़िकल ग्रुप ने दी संगीतमयी प्रस्तुति

भोपाल। श्यामला हिल्स स्थित स्टेट म्यूज़ियम में सुर शंकरा म्यूज़िकल ग्रुप की 114वीं संगीतमयी आयोजन को दर्शकों ने खूब सराहा। ग्रुप के कार्य. अध्यक्ष इंजी. प्रतीक गर्ग एवं प्रेरणास्रोत निहारिका गर्ग ने विश्व संगीत एवं योग दिवस की सभी को बधाई देते हुए इस संगीतमयी आयोजन का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर बेबी अलीज़ा खान, आयशा खान एवं रीता बोथे द्वारा सत्यम् शिवम् सुन्दरम गीत से हुआ। ग्रुप की इस प्रस्तुति की सफल ऐंकरिंग आयशा खान, विडियोग्राफी जिला अध्यक्ष सी.पी. पुरोहित एवं नरेंद्र, फोटोग्राफी मीडिया प्रभारी इरशाद खान, लेपटॉप ऑपरेट कप्तान बी.एल. रायकवार तथा साउण्ड नियंत्रण शफ़ीक़ अली द्वारा किया गया, जिसमें गायकी के शब्दों में शुद्ध उच्चारण में नुक्ता के महत्व को बताने वाले नुक्तागुरू फाज़ील खान के अथक प्रयास से ग्रुप के बेबी अलीज़ा खान ने तुझसे नाराज नहीं ज़िन्दगी, बेबी फाल्गुनी पुरोहित ने नज़र आती नहीं मंज़िल, रिषी गर्ग ने यम्मा यम्मा, सम्भागीय अध्यक्ष एवं ऐंकर आयशा खान ने रहें न रहें हम, रीता बोथे ने सनम तू बेवफ़ा के नाम से, प्रतिभा अग्रवाल ने ये दिल और उनकी, मीना पुरोहित ने कोई नहीं है फिर भी है सहित कुल तीन दर्जन से अधिक एक से बढ़कर एक एकल एवं युगल गीत सम्पन्न हुए।

17 मेघावी छात्र-छात्राओं का सम्मान

भोपाल। ब्लू स्काई परिसर,पिपलिया केशो कोलार रोड भोपाल में कक्षा 10 एवं 12 में 90 प्रतिशत से अधिक प्राप्त 17 मेघावी छात्र एवम छात्राओं का सम्मान समारोह का आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शैलेंद्र सिंह चौहान ने आरुषि खरे एवं आरुषि जैन के साथ साथ सभी मेघावी छात्र एवम छात्राओं को पुरुष्कार,शील्ड एवम प्रशस्ति पत्र प्रदान किए और उन्हें देश के एक सच्चे नागरिक बनने ,ट्रैफिक नियमों का पालन करने की सीख दी।उन्होंने पुलिस के कठिन कामों को बताते हुए,पुलिस सेवा में आने का आव्हान किया और बच्चों के उज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर,संस्था के वी के तारब,के पी एस चौहान,डी पी यादव, राजेश गुप्ता ,डी के चावला, मंजू गुप्ता दीपा गुप्ता लीना चौहान, प्रवीण गुप्ता सहित ,मेघावी छात्र छात्रा उनके अभिभावक सहित बड़ी संख्या में स्वमसेवक उपस्थित हुए।

248 करोड़ से होगा देवास जिले में विद्युत अधोसंरचना का सुदृढ़ीकरण

भोपाल। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि देवास जिले की विद्युत अधोसंरचना को सुदृढ़ करने एवं विद्युत हानियों को कम करने के लिए 248 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं। इसमें भारत सरकार द्वारा रिवैम्पड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम में स्वीकृत राशि और राज्य सरकार द्वारा स्वीकृत राशि शामिल है। नए कार्यों से जिले की आगामी दस वर्षों की बिजली मांग गुणवत्ता के साथ पूरी की जा सकेगी। पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक श्री अमित तोमर ने बताया है कि स्वीकृत राशि से किए जाने वाले कार्यों में 6 नवीन 33/11केवी उपकेंद्र का लाइन सहित निर्माण, वोल्टेज व्यवस्था के सुधार के लिए 77 स्थानों पर कैपेसिटर बैंक स्थापना, उपकेंद्रों में क्षमता वृद्धि, 1400 वितरण ट्रांसफार्मर स्थापना के कार्य, 3500 किलोमीटर लाइनों के कार्य तथा उच्च दाब फीडरों के विभक्तिकरण के कार्य सम्मिलित हैं। पुराने 71 ग्रिडों के नवीनीकरण एवं आधुनिकीकरण का कार्य भी होगा। इससे देवास जिले की लगभग 20 लाख की जनसंख्या लाभान्वित होगी। ये सभी कार्य 2 वर्ष में पूर्ण होंगे।

भावी जीवन में ज्ञान के लिए निरंतर प्रयास करते रहे : राज्यपाल

राज्यपाल मानसरोवर ग्लोबल यूनिवर्सिटी के दीक्षांत और स्नातक दिवस समारोह में शामिल हुए

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने विद्यार्थियों से कहा है कि भावी जीवन में निरंतर ज्ञान के लिए प्रयास करते रहें। कार्य-क्षेत्र में अपने ज्ञान और मेधा का सर्वश्रेष्ठ उपयोग, समाज के वंचित वर्गों को मुख्य-धारा में साथ लेकर चलने और देश और समाज की सेवा में करना चाहिए। राज्यपाल ने विद्यार्थियों से कहा कि भावी जीवन की सफलता में अपने पालकों और शिक्षकों के त्याग और बलिदान को नहीं भूलें। माता-पिता के साथ दुर्व्यवहार के समाचारों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सदैव याद रखें कि आपकी वर्तमान सफलता आपके माता-पिता और गुरुजन के अतीत के त्याग और समर्पण का ही परिणाम है। उन्होंने कहा कि दीक्षांत शपथ का 365 दिन आचरण में पालन करने वाला जीवन में कभी भी पीछे नहीं रहेगा। राज्यपाल पटेल मानसरोवर ग्लोबल यूनिवर्सिटी के दीक्षांत और स्नातक दिवस समारोह को कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में संबोधित कर रहे थे।

समारोह में कैंसर चिकित्सक सुरेश एच. आडवाणी, प्रख्यात लोक गायिका श्रीमती मालिनी अवस्थी, सिने कलाकार पीयूष मिश्रा, पार्श्व गायिका सुकविता सेठ, जीवा आयुर्वेद के संस्थापक प्रताप सिंह चौहान, जादूगर आनंद अवस्थी, युवा गीतकार अमन अक्षर, ड्रोन टेक्नोलॉजी के संचालक निखिल और पार्श्व गायिका श्रद्धा पंडित को मानद उपाधि और 200 विद्यार्थियों को पूर्णता प्रमाण-पत्र एवं उपाधियाँ प्रदान की गईं।

राज्यपाल ने कहा कि शिक्षित विद्यार्थियों का दायित्व है कि वे अपनी योग्यता और संस्कारों की सुगंध सारी दुनिया में फैलाये। उन्होंने कहा कि ऋग्वेद में कहा गया है कि ज्ञानी लोग अज्ञानियों को भी ज्ञानवान बनाते हैं। महान व्यक्तियों ने इसी भाव से ज्ञान का अर्जन एवं उपयोग करके, इस धरती पर लंबे समय तक याद की जाने वाली ऊँचाइयों को पाया। शिक्षा के बिना व्यक्ति जीवन में सफल नहीं हो सकता। किसी भी कॅरियर में सफलता के मूल में निरंतर ज्ञान प्राप्त करने के प्रयास हैं। व्यक्तित्व को आकार देने, लोगों के साथ हमारे व्यवहार को सही करने के लिए भी ज्ञानवान होना बहुत महत्वपूर्ण है। ज्ञान केवल विज्ञान और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों से संबंधित नहीं है। जिसको हम पुस्तकों में पढ़ते हैं, यह निरंतर अनुभवों और घटनाओं से भी मिलता रहता है। ज्ञान व्यक्ति को अपनी ताकत और कमजोरियों को समझने का सामर्थ्य देता है और परिवेश और जीवन की परिस्थितियों के साथ समायोजन में भी सहयोगी होता है। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि हम देख रहे हैं कि आज वही देश सबसे कामयाब है जिसके पास ज्ञान की अद्भुत शक्ति है। महात्मा बुद्ध ने भी शिक्षा को सबसे शक्तिशाली हथियार बताया है। हम सबका सौभाग्य है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने राष्ट्रीय जीवन दर्शन पर आधारित राष्ट्रीय शिक्षा नीति के द्वारा भावी पीढ़ी और युवाओं को दुनिया को बदलने में सक्षम बनने का सुनहरा अवसर प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों को विद्यार्थियों को जीवन की चुनौतियों का सामना करने का सामर्थ्य, कौशल और संस्कार प्रदान करने का केंद्र बनना चाहिए। विश्वविद्यालय को समाज के वंचित वर्गों और परिसर के निकट रहने वाले वंचित, गरीब परिवारों को स्वास्थ्य और शिक्षा संबंधी प्रयासों में सहयोग करना चाहिए। सामाजिक सरोकारों के साथ विद्यार्थियों को जोड़ना चाहिए। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि अपने व्यक्तित्व और आचरण के उदाहरण से विद्यार्थियों को जीवन में ज्ञान को सही तरीके से अपने और समाज के लिए उपयोगी बनाने की प्रेरणा दें। प्रारम्भ में राज्यपाल का पुष्प-गुच्छ भेंट कर विश्वविद्यालय की कुलाधिपति श्रीमती मंजुला तिवारी ने स्वागत किया। स्मृति-चिन्ह के रूप में अयोध्या में निर्माणाधीन राम मंदिर की प्रतिकृति भेंट की गई।

मध्यप्रदेश निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के अध्यक्ष डॉ. भरत शरण सिंह ने दीक्षांत उद्बोधन में कहा कि विद्यार्थियों के लिए विश्वविद्यालय के संरक्षित वातावरण से खुले जीवन की चुनौतियों का सामना करने के संकल्प का अवसर है। नौकरी की कतारों में खड़े होने के बजाए स्टार्ट अप के माध्यम से नौकरी देने वाला बन कर, आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में सहयोगी बने। विश्वविद्यालय के प्रो-चांसलर इंजीनियर गौरव तिवारी ने कार्यक्रम की रूपरेखा बताई और विश्वविद्यालय के संस्थापक ब्रह्मलीन कमलकान्त तिवारी का स्मरण किया। कुलपति अरुण कुमार पाण्डेय ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया और विद्यार्थियों को महर्षि चरक शपथ का स्मरण कराया। प्रो. वाईस चांसलर कर्नल एच.आर. रोहिल ने आभार माना।

एमपी ट्रांसको ने ऊर्जीकृत किया 50 एमव्हीए क्षमता का पावर ट्रांसफार्मर

भोपाल । एमपी ट्रांसको (मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी) ने शाजापुर जिले में अपनी विद्युत पारेषण क्षमता (ट्रांसफॉरमेशन केपेसिटी) में बढ़ोत्तरी करते हुए 132 केवी सब स्टेशन कालापीपल पर 3.5 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से 50 एमव्हीए क्षमता का नया पावर ट्रांसफार्मर ऊर्जीकृत किया है। जिससे सब स्टेशन की कुल स्थापित क्षमता बढ़ कर 90 एमव्हीए की हो गई है। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि इस ट्रांसफार्मर से विद्युत आपूर्ति शुरू हो जाने से क्षेत्र के तकरीबन 22000 कृषि एवं घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं को फायदा पहुँचेगा। अब उन्हें उच्च गुणवत्तापूर्ण विद्युत सप्लाई समुचित वोल्टेज पर उपलब्ध रहेगी। इस नए 50 एमव्हीए ट्रांसफार्मर के स्थापित हो जाने से कालापीपल सब स्टेशन को अब एक अतिरिक्त ट्रांसफार्मर की सुविधा भी प्राप्त हो गई है। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने क्षेत्र के विद्युत उपभोक्ताओं के लिए अति आवश्यक इस ट्रांसफार्मर को ऊर्जीकृत करने के लिए एम पी ट्रांसको के कार्मिकों को बधाई दी है। एमपी ट्रांसको शाजापुर के कार्यपालन अभियंता श्री निर्दोष केरकेटा ने बताया कि 132 केवी सब स्टेशन कालापीपल से एम पी ट्रांसको 33 केव्ही के 5 फीडरों के माध्यम से विद्युत आपूर्ति करती है। इनमें कालापीपल , नांदनी ,घट्टी, लसूदलिया गौरी एवं लायंस फैब्रिक्स शामिल हैं। शाजापुर जिले में एम पी ट्रांसको अपने 220 केवी के दो सब स्टेशनों और 132 केव्ही के 9 सब स्टेशनों के माध्यम से विद्युत पारेषण करती है। अब शाजापुर जिले की कुल विद्युत पारेषण (ट्रांसफॉरमेशन) क्षमता बढ़कर 1566 एमव्हीए की हो गई है, जिसमें 220 केव्ही साइड 800 एमव्हीए है।

आल इंडिया कौमी तंज़ीम इकाई की हुई बैठक

भोपाल। जादू कभी किसी का नहीं बोलता। बस अलगाववाद बिखरेपन और एक जुटता से सरकारों के नसीब लिखे जाते हैं। जिस दिन देश का बिखरा हुआ मतदाता एक जाज़्म यानी एक ही प्लेटफार्म पर आ जाएगा तब ही केंद्र में सरकार का नया चेहरा दिखाई देगा। वो चेहरा जो गांधी विचारधारा के साथ चलना चाहता है।यह बात पूर्व केंद्रीय मंत्री तारिक अनवर ने शनिवार को राजधानी भोपाल में आयोजित आल इंडिया कौमी तंज़ीम मध्य प्रदेश इकाई की बैठक में कही । वे ऑल इंडिया कौमी तंजीम की गतिविधियों को लेकर पूरे देश का दौरा कर रहे हैं।

1100 किमी दूरी तय कर 20 गिद्धों को लाया वन विहार

भोपाल। हरियाणा स्थित पिंजौर गिद्ध संवर्धन केन्द्र से 20 व्हाइट रम वल्चर (सफेद पीठ वाले गिद्ध) वन विहार उद्यान भोपाल में शनिवार को लाये गये। इसके बाद इन्हें केरवा के क्वारंटाइन सेंटर पहुँचाया गया। यह सभी गिद्ध पूर्णत: स्वस्थ हैं। वन विहार संचालक श्रीमती पदमाप्रिया बालाकृष्णन ने बताया कि लाए गए गिद्धों में 5 मादा और 10 सब एडल्ट गिद्ध हैं। इनको विशेष रूप से तैयार किए गए क्रेट्स में रखकर सड़क मार्ग से 1100 किलोमीटर दूरी तय कर लाया गया। वल्चर विशेषज्ञ श्री रोहन एवं वेटनरी डॉ. रजत कुलकर्णी इस यात्रा के दल में शामिल थे। पीसीसीएफ (वाइल्ड लाइफ) श्री शुभरंजन सेन की उपस्थिति में गिद्ध वन विहार पहुँचे। इन गिद्धों को 45 दिन क्वारंटाइन में रखने के बाद केरवा स्थित गिद्ध संरक्षण-संवर्धन केन्द्र की एवरी में छोड़ा जाएगा।

होमगार्ड लाइन में आपदा मित्र प्रशिक्षण

भोपाल। होमगार्ड लाइन में आपदा मित्रों के चल रहे प्रशिक्षण में आज विभिन्न प्रकार की आपदाओं से भली-भांति निबटने के लिए विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षण जिला सेनानी भोपाल राम कुमार शर्मा के नेतृत्व में दिया जा रहा है। एनडीआरएफ 11 वीं बटालियन की टीम ने आपदा प्रबंधन के विषय में बताया। प्रशिक्षण में नेचुरल, केमिकल, बायोलॉजिकल, रेडियोलॉजिकल और न्यूकिलियर सभी प्रकार की आपदाओं से बचाव व राहत पहुँचाने के संबंध में जानकारी दी गई। बाढ़ से निबटने के लिए बोट तैयार करना, चलाना, विभिन्न प्रकार की आपदाओं में सावधानियां बरतना, बचाव राहत, सीपीआर चोकिंग क्लियर करना, भूकंप और आगजनी में आपदा प्रबंधन आदि की विस्तृत जानकारी दी गई।

अपना लक्ष्य प्राप्त करने कठोर परिश्रम करें: सिद्ध भाऊ

संत हिरदाराम नगर। साहिब की असीम अनुकंपा एवं सिद्ध भाऊ के पावन सानिध्य व मार्गदर्शन में कक्षा नवीं की छात्राओं हेतु, नवनिध हासोमल लखानी पब्लिक स्कूल के सभागार में शैक्षणिक क्षेत्र में उत्कृष्टता विषय पर आधारित विशेष सत्र आयोजित किया गया। छात्राओं में सद्गुणों के विकास के साथ-साथ, स्वस्थ रहते हुए व एकाग्रचित्त होकर पढ़ाई करने हेतु प्रेरित करना इस सत्र का मुख्य उद्देश्य रहा। कार्यक्रम की शुरुआत संत हिरदाराम साहिब, मां भारती एवं मां सरस्वती की प्रतिमाओं के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण कर की गई।

सिद्ध भाऊ ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी का जीवन में कुछ बनने का सपना होगा। आप सभी जो भी व्यवसाय चुनें उसमें दक्षता प्राप्त करें। आपन इरादे तो हैं मंजिल के, सफल करना नहीं आता। हमें कहना तो

आता है, लेकिन करना नहीं आता। वाक्य के माध्यम से छात्राओं को बताया कि अपना लक्ष्य प्राप्त करने हेतु कठोर परिश्रम करें। अपने मन के कहने पर न चलकर, विवेक से काम लें। मन को एकाग्रचित्त करने के लिए ध्यान, योग व प्राणायाम करें। आपने छात्राओं को नेचुरोपैथी व यौगिक साइंस का महत्व बताते हुए कहा कि इसमें दवाइयों के बिना, प्राकृतिक रूप से बड़ी से बड़ी बीमारियों का उपचार किया जाता है। शिक्षक के पद की गरिमा को समझाते हुए आपने कहा कि शिक्षक दीपक के समान है जो अपनी जीवनी शक्ति जलाकर ज्ञान का प्रकाश देता है। आपने छात्राओं को पेन का उदाहरण देते हुए बताया कि जिस प्रकार एक पेन के लिए बाहरी सुंदरता से अधिक आवश्यक है अच्छी लिखावट में सहायक बनना, उसी प्रकार हम सब के लिए मन की सुंदरता एवं निर्मलता आवश्यक है। पढ़ाई में ध्यान लगाने हेतु मन का निर्मल होना अत्यंत आवश्यक है। जिस विषय में आपकी रूचि हो उसी विषय को चुनें और उसमें अपना कैरियर बनाएँ। अपने शिक्षकों के प्रति श्रद्धा व विश्वास का भाव रखकर कृतज्ञ रहें। प्रात: काल जल्दी उठने की आदत डालें क्योंकि सुबह के समय हमारा दिमाग स्पंज की भाँति होता है तथा पढ़ा हुआ हमेशा याद रहता है। आगे आपने छात्राओं से कहा कि पशु पक्षियों को दाना पानी देना हमारा कर्तव्य है, इससे हमारी बुद्धि सात्विक होती है। यदि आप सुबह बिना कुछ खाए-पिए पशु- पक्षियों को दाना-पानी रखेंगी तो उनके आशीर्वाद स्वरुप आप बुद्धिमान बनेंगी व हर मुसीबत से दूर रहेंगी। आपने छात्राओं को खान-पान की आदतों में सुधार करने हेतु बताया कि हमेशा गुनगुना पानी पिएँ। भोजन करने से आधा घंटे पूर्व व भोजन के उपरांत एक घंटे बाद ही पानी पिएं, इससे पाचन तंत्र दुरुस्त रहता है। आपने छात्राओं से चर्चा करते हुए अनाज को अंकुरित करने की विधि विस्तार पूर्वक बताते हुए कहा कि अंकुरित गेहूँ विद्यार्थियों के लिए सबसे अच्छा होता है क्योंकि इसमें कार्बोहाइड्रेट्स, मैग्निशियम, विटामिन बी कॉम्प्लेक्स, एवं फास्फोरस प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। आजकल बाज़ार में मिलने वाले फल- सब्जियों को केमिकल्स के द्वारा पकाया जाता है इसलिए ये हमारे लिए हानिकारक होते हैं, अत: आप अमृततुल्य अंकुरित अनाज का सेवन करें।

महिलाओं की आमदनी 10 हजार प्रतिमाह करना हमारा संकल्पः शिवराज सिंह

मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय मंत्री तोमर व सिंधिया के साथ किया 777 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का भूमि-पूजन और लोकार्पण

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि महिलाओं की जिंदगी बदलने का संदेश लेकर मैं अपनी बहनों के बीच आया हूँ। हम केवल लाड़ली बहना योजना तक ही सीमित नहीं रहेंगे, आजीविका मिशन के माध्यम से महिलाओं की आमदनी 10 हजार रूपए प्रतिमाह करना हमारा संकल्प है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ग्वालियर के मेला मैदान में भव्य मुख्यमंत्री लाड़ली बहना सम्मेलन-सह-मुख्यमंत्री आवासीय भू-अधिकार पत्र वितरण एवं विकास कार्यों के भूमि-पूजन/लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने सम्मेलन में बड़ी संख्या में महिलाओं की उपस्थिति को बहनों की ताकत का जागरण बताया।

मुख्यमंत्री चौहान ने केन्द्रीय कृषि एवं किसान-कल्याण मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर और केन्द्रीय नागरिक उड्डयन एवं इस्पात मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ लगभग 777 करोड़ 35 लाख रूपए लागत के विकास कार्यों का भूमि-पूजन एवं लोकार्पण किया। साथ ही प्रतीक स्वरूप महिलाओं को शासकीय योजनाओं के हितलाभ एवं मुख्यमंत्री अवासीय भू-अधिकार पत्र वितरित किए। लाड़ली बहना सेना को कार्यालय की चाबी सौंपी और विभिन्न क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया। जिले की महिलाओं ने स्वयं के द्वारा बनाए गए उपहार भी मुख्यमंत्री चौहान सहित अन्य अतिथियों को भेंट किये। मुख्यमंत्री चौहान ने एक हजार बिस्तर के अस्पताल में सेट्रलाइज्ड एसी सिस्टम लगवाने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना सम्मेलन में जिले के प्रभारी एवं जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) भारत सिंह कुशवाह, लोक निर्माण राज्य मंत्री सुरेश धाकड़, लघु उद्योग विकास निगम की अध्यक्ष श्रीमती इमरती देवी, बीज एवं फॉर्म विकास निगम के अध्यक्ष मुन्नालाल गोयल, मत्स्य विकास निगम के अध्यक्ष सीताराम बाथम, नगर निगम सभापति मनोज तोमर सहित अन्य जन-प्रतिनिधि मंचासीन थे।

मुख्यमंत्री ने ग्वालियर में 1000 बिस्तर अस्पताल एवं सुपर स्पेशलिटी अस्पताल का किया लोकार्पण

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने केन्द्रीय कृषि एवं किसान-कल्याण मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर और केन्द्रीय नागरिक उड्डयन एवं इस्पात मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ ग्वालियर में नवनिर्मित 1000 बिस्तर अस्पताल एवं सुपर स्पेशलिटी अस्पताल का लोकार्पण किया। नवनिर्मित अस्पताल से ग्वालियर अंचल को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध होंगी। मुख्यमंत्री चौहान ने नवनिर्मित अस्पताल का भ्रमण कर उपलब्ध आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी लेने के साथ ही पैथोलॉजी एवं आयुष्मान कक्ष का निरीक्षण किया। इस दौरान प्रदेश के जल संसाधन मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट, ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, उद्यानिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) भारत सिंह कुशवाह, सांसद विवेक नारायण शेजवलकर, खाद्य एवं बीज निगम अध्यक्ष मुन्नालाल गोयल एवं अन्य जन-प्रतिनिधि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि महिलाओं को सामाजिक, शैक्षणिक एवं आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिये सरकार ने मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना, मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना व लाड़ली बहना योजना जैसी क्रांतिकारी योजनाओं को मूर्तरूप दिया है। लाड़ली बहना योजना महिलाओं की जिंदगी बदलने के मंत्र की तरह है। प्रदेश की लगभग सवा करोड़ महिलाओं को 15 हजार करोड़ रूपए सरकार हर माह दे रही है। उन्होंने कहा कि लाड़ली बहना योजना की राशि धीरे-धीरे बढ़ा कर 3 हजार रूपए तक की जायेगी।

मुख्यमंत्री चौहान एवं अन्य अतिथियों ने कन्या-पूजन, वीरांगना दुर्गावती के चित्र पर पुष्पांजलि एवं दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर ने स्वागत उदबोधन में

महिला हितैषी योजनाओं की वजह से प्रदेश में लिंगानुपात सुधराः केन्द्रीय मंत्री तोमर

केन्द्रीय कृषि एवं किसान-कल्याण मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने मध्यप्रदेश को बीमारू राज्य से विकसित राज्यों की श्रेणी में लाने के साथ-साथ महिला सशक्तिकरण के के लिये क्रांतिकारी कदम उठाए हैं। प्रदेश सरकार द्वारा शुरू किये गये। इन कदमों से प्रदेश में महिलाङ्क पुरूष लिंगानुपात में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। महिला सशक्तिकरण के बिना देश का सशक्तिकरण असंभव है। इसे ध्यान में रखकर केन्द्र व राज्य सरकार ने महिलाओं के कल्याण के लिये कारगर योजनाएँ बनाई हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री चौहान जो कहते हैं उसे धरती पर उतारकर दिखाते हैं। महिलाओं के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में किए गए काम इस बात की पुष्टि करते हैं।

बेटियां अब बोझ नहीं रहीः केन्द्रीय मंत्री सिंधिया

केन्द्रीय नागरिक उड्डयन एवं इस्पात मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार ने महिला शक्ति को आगे करने का काम किया है, जिससे नारी शक्ति अपनी प्रगति का मार्ग स्वयं तय कर सकती है। देश-प्रदेश में बेटियाँ अब बोझ नहीं रही हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किए गए बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम तथा मुख्यमंत्री चौहान द्वारा शुरू की गई लाड़ली लक्ष्मी, लाड़ली बहना एवं मुख्यमंत्री कन्या विवाह-निकाह योजना ने इसमें महती भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि ग्वालियर बदल रहा है। यहाँ एक हजार बिस्तर का अस्पताल, अंतर्राष्ट्रीय स्तर के हवाई अड्डा और रेलवे स्टेशन का निर्माण, एलीवेटेड रोड, पेयजल के लिये चंबल प्रोजेक्ट इत्यादि बड़े-बड़े काम मूर्तरूप ले रहे हैं। सिंधिया ने आयुष्मान कार्ड, उज्ज्वला योजना, घर-घर शौचालय सहित हर घर में नल से पानी पहुँचाने के लिये सरकार द्वारा स्थापित जल जीवन मिशन सहित अन्य योजनाओं से आए बदलाव को भी रेखांकित किया।

पुरानी पेंशन बहाल करने सहित अपनी मांगों को लेकर सेवानिवृत कर्मचारियों ने सौंपा ज्ञापन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

लिपिक की ग्रेड पे में विसंगति पुरानी पेंशन बहाल करने सेवानिवृत कर्मचारियों को 9 प्रतिशत प्रतिशत महंगाई राहत/महंगाई भत्ते का बकाया एरियर भुगतान करने सहित अन्य मांगों को लेकर मंत्री विश्वास सारंग के निवास पर पहुंचकर पांच संगठनों द्वारा सौंपा ज्ञापन।

मध्य प्रदेश लिपिक वर्गीय कर्मचारी संघ,तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ,मध्य प्रदेश लघु वेतन कर्मचारी संघ,मध्य प्रदेश वाहन चालक यांत्रिकी कर्मचारी संघ,मध्य प्रदेश पेंशनर एसोसिएशन द्वारा आंदोलन के पांचवें चरण में 25 जून को सभी 52 जिला मुख्यालयों पर माननीय मुख्यमंत्री जी के नाम का ज्ञापन प्रभारी मंत्री सांसद विधायक गण को ज्ञापन सौंपा गया उसी कड़ी में भोपाल में चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग को 17 सूत्री मांग पत्र माननीय मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव महोदय के नाम का ज्ञापन पांच संगठनों के जिला अध्यक्ष द्वारा सौंपा उक्त आशय की जानकारी तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के प्रदेश सचिव उमाशंकर तिवारी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में दी तिवारी ने कहा ज्ञापन में कर्मचारियों की 17 सूत्री मांगों में लिपिकों की ग्रेड पे विसंगति दूर करने,कर्मचारियों को महंगाई भत्ते का जुलाई 2019 से बकाया एरियर,सेवानिवृत कर्मचारियों को 9त्न महंगाई राहत केंद्रीय तिथि से आदेश जारी करने,पुरानी पेंशन बहाल करने,सातवें वेतनमान के अनुसार मकान किराया भत्ता, वाहन एवं अन्य भत्ते प्रदाय करने, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों का पदनाम कार्यालय सहायक करने,पेंशनरों को पेंशन राहत प्रदान करने में धारा 49 समाप्त करने,कर्मचारियों की पदोन्नति समय मान वेतनमान, वाहन चालकों की भर्ती टैक्सी प्रथा बंद करने,आउट सोर्स प्रथा बंद करने,पेंशन हेतु 25 साल की सेवा पूरी पेंशन हेतु गणना में लेने,संविदा एवं स्थाई कर्मियों को नियमित नियुक्ति/नियमित वेतनमान देने, सीपीसीटी का बंधन खत्म करने शिक्षकों की नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता देने की मांग रखी गई।

युवा पीढ़ी ही सब को मानसिक शांति के सकरात्मक मार्ग पर लें जा रही है :योग गुरु महेश अग्रवाल

भोपाल। आदर्श योग आध्यात्मिक केंद्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के संचालक योग गुरु महेश अग्रवाल कई वर्षो से नि :शुल्क योग प्रशिक्षण के द्वारा लोगों को स्वस्थ जीवन जीने की कला सीखा रहें है। वर्तमान में भी ऑनलाइन एवं प्रत्यक्ष माध्यम से यह क्रम अनवरत चल रहा है। योग प्रशिक्षण के दौरान केंद्र पर सभी समाज की जयंती, महापुरुषों की जयंती, सभी धार्मिक, सामाजिक एवं राष्ट्रीय पर्व उत्साह पूर्वक मनाये जाते है। स्वच्छता, नशामुक्ति वृक्षारोपण, पर्यावरण, शिक्षा, खेलकूद जैसे विषय पर जागरूकता अभियान एवं सभी राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय दिवस का महत्व एवं जीवन में उपयोगिता बताते हुए साधकों को स्वस्थ रहते हुए सेवा कार्य करते रहने के लिए प्रेरित किया जाता है। अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस के अवसर पर योग गुरु अग्रवाल ने कहा कि हर वर्ष 26 जून को अंतरराष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस मनाया जाता है। हर साल लोगों को नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से इसे मनाया जाता है।

अतिक्रमण प्रभावित रेपुरावासियों के लिए राजस्व एवं परिवहन मंत्री ने दी हर व्यक्ति को 15 हजार की आर्थिक सहायता

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

सुरखी विधानसभा क्षेत्र में गत दिनों ग्राम रेपुरा में वन विभाग द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई थी।

जिसको लेकर राजस्व एवं परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने शनिवार को कलेक्टर एसपी सहित राजस्व के हमले के साथ अतिक्रमण प्रभावित लोगों से मुलाकात की तथा उनको पट्टे देने के निर्देश अधिकारियों को दिए। साथ ही मंत्री राजपूत ने सभी ग्राम वासियों को आश्वासन दिया कि उनके मकान बनाने में मदद की जाएगी। इसके साथ ही रविवार को अतिक्रमण प्रभावित सभी ग्राम वासियों को राजस्व एवं परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने अतिक्रमण में जिन लोगों के मकान टूटे हैं उन्हें हर व्यक्ति को 15 हजार- 15 हजार की आर्थिक सहायता दी ताकि उनके घर गृहस्ती के बर्तन व अन्य सामग्री की व्यवस्था हो सके। इस अवसर पर सभी ग्रामवासियों ने राजस्व एवं परिवहन मंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेसियों ने आकर सिर्फ भाषण दिए हमारी मदद गोविंद सिंह राजपूत ने ही की है। उन्होंने राजस्व एवं परिवहन मंत्री गोविंद राजपूत का आभार व्यक्त किया।

आध्यात्मिक ज्ञान से ही बनेगा आत्मनिर्भर भारतः बीके नीता

भोपाल। ब्रह्माकुमारीज संस्थान की प्रथम मुख्य प्रशासिका मातेश्वरी जगदम्बा सरस्वती (मम्मा) का 58वां पुण्य स्मृति दिवस शनिवार को आध्यात्मिक ज्ञान दिवस के रूप में मनाया गया। ब्रह्माकुमारीज़ सुख शांति भवन के सभागार में आयोजित पुष्पांजली कार्यक्रम में डायरेक्टर बीके नीता दीदी ने कहा कि मम्मा ने हर कर्म करके दिखाया, केवल उपदेश नहीं दिया। मातेश्वरी मम्मा सदा अंतर्मुखी रहती थीं। मम्मा हमेशा कहती थीं कि सदा दो मंत्र याद रखो- जो कर्म हम करेंगे हमें देख और भी करेंगे। दूसरा हर घड़ी अंतिम घड़ी है। इन्हीं मंत्रों से सहज नष्टोमोहा स्मृति स्वरूप हो जाएंगे। इससे ही शिव बाबा और ब्रह्मा बाबा की आशाओं को पूरी कर सकेंगे। मम्मा बचपन से ही तपस्वी, और दिव्य बुद्धि की धनी थीं। उनके सामने कैसी भी परिस्थिति आई लेकिन वह कभी विचलित नहीं हुईं। उन्होंने कठिन योग-साधना से स्वयं को इतना शक्तिशाली बना लिया कि कैसा भी क्रोधी व्यक्ति उनके सामने आता था तो वह शांत हो जाता था। आप रात में 2 बजे से योग-साधना करती थीं। आपने सदा परमात्मा के श्रेष्ठ मत पर चलकर अपने जीवन को सर्वश्रेष्ठ बनाया।

उन्होंने कहा कि मम्मा का जीवन सभी के लिए प्रेरणादायी, पथप्रदर्शक और सत्य मार्ग पर चलने के लिए एक मिसाल है।

पंचायत सचिव महासंघ का राज्य स्तरीय प्रादेशिक सम्मेलन हुआ

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्य प्रदेश के 23000 पंचायत सचिव को विभाग में संविलियन करवाने के लिए पंचायत सचिव महासंघ का राज्य स्तरीय प्रादेशिक सम्मेलन भारतीय मजदूर संघ कार्यालय ठेंगड़ी भवन भोपाल में संपन्न हुआ। उक्त प्रादेशिक सम्मेलन में संगठन के ब्लॉक से लगाकर प्रदेश स्तर तक के सैकड़ों पदाधिकारियों ने भाग लिया, सम्मेलन में पंचायत सचिवों को सातवां वेतनमान, पंचायत सचिवों का विभाग में संविलियन, पंचायत सचिवों के आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति में लाभ दिए जाने हेतु नियमों में सरलीकरण किए जाने की मांगों को प्रमुखता से रखा गया। सम्मेलन में विभाग में संविलियन की प्रक्रिया को लेकर काफी चर्चा हुई सभी पंचायत सचिवों का एक स्वर में कहना है कि यदि सरकार लाखों अध्यापकों को विभाग में संविलियन कर सकती है तो 23000 पंचायत सचिवों को विभाग में संविलियन प्रक्रिया में करने में क्या कठिनाई आ रही है

वर्तमान में ग्राम पंचायत के सचिव सरकारी कर्मचारी होते हुए भी समय पर उनको वेतनमान नहीं मिल पाता है क्योंकि जब 2008 में पंचायत सचिवों को यथास्थिति नियमितीकरण किया गया था उस दौरान इनके बजट की व्यवस्था व खनिज फंड से की गई थी, वर्तमान में गौण खनिज फंड में पर्याप्त आवंटन नहीं होने से ग्राम पंचायत के सचिव को समय पर वेतन मान नहीं मिल पाता है।

एम्स की डॉ. अर्शी सिद्दीकी श्रीनगर में युवा महिला वैज्ञानिक पुरस्कार 2023 से सम्मानित

भोपाल। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान एम्स की पूर्व छात्रा डॉ. अर्शी सिद्दीकी को शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (स्न्नस्ञ्ज-च) श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर, भारत में %जलवायु परिवर्तन और उसका प्रभाव (ष्टष्टढ्ढ 2023) विषय पर आयोजित 5वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के अवसर पर बायोटेक्नोलॉजी% के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान और मान्यता के लिए %युवा महिला वैज्ञानिक पुरस्कार 2023% से सम्मानित किया गया । यह पुरस्कार सीवी और एपीआई स्कोर पर आधारित था । उन्होंने 'इम्यूनोजेनिक इवेल्यूएशन ऑफ बेक्टीरियली एक्स्प्रेस्ड रिकांबिनेंट हेमाग्लगुटिनिन रिसेप्टर बाइंडिंग डोमेन (HAv) ऑफ HvNv वायरस इन स्विस ऐल्बाइनो माईस मॉडल फॉर पॉसिबल वैक्सीन केंडिडेट' विषय पर एक पोस्टर के रूप में अपना शोध पत्र भी प्रस्तुत किया । उन्होंने 2023 में बायोकैमिस्ट्री विभाग, एम्स, भोपाल में एडिशनल प्रोफेसर डॉ. रश्मि चौधरी और डॉ. निधि त्रिपाठी (बायोटेक्नोलॉजी%विभाग बीयू) के मार्गदर्शन में अपना पीएचडी शोध कार्य पूरा किया है ।

संस्कृत के शास्त्रों को पढ़कर बनाए जा सकते हैं मनोविज्ञान के सिद्धांतः डॉ. सलूजा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर में आयोजित द्वि दिवसीय राष्ट्रीय संस्कृत सम्मेलन के द्वितीय दिवस पर देश भर से आए विद्वानों ने उच्च शिक्षा का वर्तमान परिदृश्य, पाठ्यक्रम एवम पाठ्यचर्या,तथा प्रशासनिक प्रक्रिया पर अपने अपने शोध पत्रों के माध्यम से विचार विमर्श किया तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में संस्कृत तथा अन्य विषयों का समावेश किस प्रकार हो सके जिससे भारतीय ज्ञान परम्परा में विद्यमान विभिन्न विद्याओं का अध्ययन पाठ्यक्रम में शामिल किया जा सके प्रथम सत्र में विषय विशेषज्ञ के रूप में संस्कृत प्रमोशन फाऊंडेशन नई दिल्ली के अध्यक्ष डॉ.चांद किरण सलूजा ने अपने वक्तव्य में शिक्षा को चतुर्मुखी प्रक्रिया बताते हुए कहा कि हमें संस्कृत शिक्षण के लिए नवीन विधियों का प्रयोग करना होगा तथा दूसरी भाषाओं के साथ एक के स्थापित करना होगा गुणवत्तापूर्ण सामग्री के निर्माण की आवश्यकता है। नए शब्दों का निर्माण एवं उनका प्रयोग वर्तमान संदर्भ में अद्यतन करने की अवश्यकता है, होगा उन्होंने कहा कि हमारे देश में हमेशा से संधान की पद्धति रही है ना कि अनुसंधान की। संस्कृत के शास्त्र अपने आप में बहु विषयक शिक्षा का काम करते हैं,संस्कृत के शास्त्रों को पढ़कर मनोविज्ञान के सिद्धांत बनाए जा सकते हैं, ज्योतिष, उपनिषद न्याय शास्त्र आदि शास्त्रों को पढ़कर हम भौतिक रसायन गणित की शिक्षा स्वतः ही प्राप्त कर सकते हैं । सत्र में मध्य प्रदेश पाठ्य पुस्तक निगम के अध्यक्ष एवं भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय लखनऊ के कुलाधिपति डॉ. प्रकाश वर्तूनिया ने अपने उद्बोधन में कहा की हमारी 200 भाषाएं लुप्त हो गई हैं तथा संस्कृत को विश्व की भाषा बनाने से पहले हमें देश की भाषा बनानी होगी विद्यालय स्तर पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करना एक बड़ी चुनौती होगी तथा संस्कृत में नवाचार की कमी के कारण ही संस्कृत भाषा का ह्रास हो रहा है, इसके लिए हमें हर स्तर पर नवाचार करने की आवश्यकता है। इस अवसर पर आशुतोष पारीक द्वारा लिखित पुस्तक संस्कृत में नवाचार का विमोचन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर श्रीनिवास वरखेडी द्वारा किया गया। विभिन्न सत्रों में विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रो.रमेश चंद्र भारद्वाज, पाणिनी संस्कृत विश्विद्यालय के कुलपति.विजय कुमार मेनन, जामिया मिलिया स्लामिया विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के प्राध्यापक प्रो.गिरीश चंद्र पंत, जे एन यू विश्वविद्यालय दिल्ली के संस्कृत विभाग के प्राध्यापक प्रो.रामनाथ झा ने बहुविषयक संस्कृत विश्वविद्यालय के विषय में अपना उद्बोधन दिया शास्त्रार्थ परंपरा प्रमाण शास्त्र आदि के विषय में विस्तार से प्रकाश डाला।

पद्मश्री कैलाश मड़बैया का 80वां जन्म दिवस बुन्देलखंड दिवस के रुप में मनाया

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

साहित्य संसार द्वारा अखिल भारतीय बुंदेलखण्ड साहित्य एवं संस्कृति परिषद के तत्वावधान में अनेक साहित्यिक-सामाजिक संस्थाओं ने भोपाल में सम्पन्न राष्ट्रीय बुन्देलखण्ड उत्सव मे देष भर से एकत्रित सैकड़ों साहित्यकारों व कलाधर्मियों ने अत्यन्त भव्य और वृहद बुन्देली समारोह -23 कर , प्रख्यात साहित्यकार पद्मश्री कैलाश मड़बैया का 80वां जत्म दिवस बुन्देलखण्ड दिवस के रुप में मनाया। समारोह का उद्घाटन विधायक पीसी शर्मा ने बुन्देलखण्ड की विभूतियों के चित्रों पर माल्यार्पण कर पद्मश्री कैलाश मड़बैया को पगड़ी, साल,श्रीफल भेंट कर और केक खिलाया। मुख्य अतिथि शर्मा ने कहा कि दरसल डॉ. कैलाश मड़बैया अब अपने सृजन , सुकृत्यों व समर्पण से बुन्देलखण्ड के पर्याय बन गये हैं। उन्होंने उनके सद्यः प्रकाशित ग्रंथ बुन्देलखण्ड के सूरज 'का लोकार्पण भी किया। उज्जेन के बुन्देली कवि विष्ण खरे की कृति 'तता ततूरी' के साथ अ.भा. बुन्देलखण्ड परिषद के आसेजना दर्पण कलेंण्डर 2023 को विमोचित कर सभी को भेट किया गया। तीसरे सत्र में 31 विद्वानों ने आजादी के अमृत महात्सव में बुन्देलखण्ड के योगदान पर शोध आलेख पढे।

स म्पा द की य

शांति बहाली जल्द हो मणिपुर में

जैसा कि कहा जाता है कि जरा सी भी ढील अक्सर बहुत भारी पड़ जाती है। यही हाल पूर्वोत्तर के राज्य मणिपुर का हो रहा है। सरकार ने पहले दो समुदायों का आपसी विवाद मानकर इसे ढील दे दी, अब हालात काबू से बाहर हो गए हैं। दोनों प्रमुख समुदाय, मैतेई और कुकी एक-दूसरे को जैसे देखने को तैयार नहीं। मैतेई बहुल इलाकों में रहने वाले कुकी घर-बार छोड़ कर चले गए हैंऔर कुकी बहुल इलाकों में बसे मैतेई भाग चुके हैं। इस सवाल का जवाब भी अभी तक नहीं मिला कि मणिपुर की हिंसा के लिए कौन जिम्मेदार है?

शनिवार को सर्वदलीय बैठक में विपक्ष की एक स्वर से उठी मुख्यमंत्री बदलने की मांग के पीछे भी शायद इसी सवाल की भूमिका है। लेकिन इससे भी गंभीर यह आशंका है कि कहीं यह हिंसा पूर्वोत्तर अन्य राज्यों को भी अपने आगोश में न ले ले। इस आशंका के पीछे कई ठोस कारक हैं, लेकिन पहले मणिपुर की इस हिंसा की पृष्ठभूमि को समझते हैं। यहां समुदायों के बीच संघर्ष का इतिहास पुराना है। 1949 में मणिपुर राज्य के भारत में विलय के साथ ही अलगाववादी प्रवृत्तियां उभरने लगी थीं। सत्तर के दशक में तो हालात इतने बिगड़ गए कि केंद्र सरकार को 1980 आते-आते आर्म्ड फोर्सेज स्पेशल पावर एक्ट (अफ्सपा) लागू करना पड़ा।

उग्रवादी गतिविधियों के लिए पूर्वोत्तर के बाकी राज्यों की तरह मणिपुर की भौगोलिक परिस्थितियां भी काफी मददगार रही हैं। जंगल तथा पहाड़ियों के अलावा पड़ोसी म्यांमार के साथ एक खुली सीमा है। दोनों ओर एक ही जनजातियां हैं, जो आपस में सामाजिक-आर्थिक रूप से सदियों से बंधी हैं। संसाधनों की कमी और आधुनिक अर्थव्यवस्था के साथ चलने में असमर्थता के कारण यहां के कुछ समुदाय नशे की खेती और कारोबार में लग गए हैं। नशा, हथियार और उग्रवाद ने ऐसा माहौल बना दिया है जिससे निपटना सरकार के लिए कठिन हो गया है।

लेकिन नशे का कारोबार और उग्रवाद उस गहरी बीमारी के लक्षण भर हैं जिससे पूर्वोत्तर के राज्य ग्रस्त हैं। असल में, मूल सवाल कबीलाई अस्मिता, संस्कृति और पर्यावरण-संसाधन की रक्षा से जुड़ा है। स्थानीय कबीलों ने इनकी रक्षा के लिए ब्रिटिश उपनिवेशवाद से जमकर लोहा लिया था। दुर्भाग्य से, भारत सरकार ने उपनिवेशवादी नीतियों को पलटने में किसी कल्पनाशीलता का सहारा नहीं लिया और पुराने तरीके ही अमल में लाए। परंपरागत पंचायतें जरूर बहाल हुईं, जनजातीय परिषदों के जरिए उन्हें संसाधनों पर अधिकार और स्वायत्तता भी मिली, लेकिन भारतीय राष्ट्र में इन समूहों को बराबर का भागीदार बनाने का काम अधूरा रह गया।

तीन मई की हिंसा हाईकोर्ट के इस आदेश के बाद भड़की कि राज्य सरकार मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की अनुशंसा करे। कुकी सहित अन्य जनजातियों की ओर से विरोध शुरू हुआ। लेकिन यह जल्दी ही सांप्रदायिक दंगे में बदल गया। हिंसा में 200 से ज्यादा चर्च और 17 मंदिर जलाए गए हैं। इनमें मैतेई ईसाइयों के चर्च भी शामिल हैं। पिछले कुछ दशकों से जारी हिंदुत्ववादी संगठनों की कोशिशों ने मैतेई अस्मिता को काफी हद तक हिंदुत्व की पहचान दे दी है, लेकिन यह विभाजन को ज्यादा खतरनाक हो गया है।

असल में मैतेई अनुसूचित जनजातियों की सूची में खुद को शामिल करने की मांग कर रहे हैं ताकि जमीन खरीदने के साथ उन्हें जनजातियों वाली दूसरी सुविधाएं मिलें। कुकी इसका विरोध कर रहे हैं। कुकी और नगाओं के बीच पहले से भिड़ंत होती रही है। नगा अलगाववादी संगठन नैशनल सोशलिस्ट काउंसिल आफ नगालैंड के मुईवा गुट ने कुकी समुदाय को चेतावनी भी दी है कि वे नगा लोगों पर हमले न करें। फिलहाल राज्य से मिजोरम तथा नगालैंड की ओर पलायन शुरू हो चुका है। मिजोरम ने पलायन करने वालों को अपने यहां शरण दी है।

बड़ा खतरा यह है कि धार्मिक संघर्ष की आग ईसाई आबादी वाले मेघालय, मिजोरम, नगालैंड को तो प्रभावित कर ही सकती है, असम तथा त्रिपुरा में पहले से चल रहे सांप्रदायिक और भाषाई संघर्ष को भी हवा दे सकती है। हिंदुत्व से प्रभावित मैतेई संगठन जिस तरह चर्च और ईसाई धर्मावलंबियों को अलगाववादी और म्यांमार से आया बता रहे हैं, वह नैरेटिव मुस्लिम अल्पसंख्यकों के खिलाफ असम में भी है। इसलिए मणिपुर में सबसे पहले तो आपसी सौहार्द और विश्वास बनाने के लिए भी नए सिरे से काम करना होगा। इसके साथ ही शांति स्थापना के प्रयास भी करने होंगे, लेकिन बहुत सावधानी के साथ। दोनों प्रमुख समुदायों की अस्मिता कैसे बरकरार रह पाती है, सबसे बड़ी समस्या समाधान में यही आ रही है और आएगी। इसलिए यहां बहुत सावधानी की जरूरत है, लेकिन जितनी जल्दी हो सके, शांति बहाली हो, कहीं हिंसा का विस्तार सातों राज्यों में हो गया तो बहुत मुश्किल हो जाएगी।

मुसीबत में दिखाई देते मंत्री भूपेंद्र सिंह

सुरेश तिवारी

सरकार के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेंद्र सिंह के सितारे इन दिनों कुछ ठीक नहीं चल रहे। एक समय मुख्यमंत्री के सबसे निकट माने जाने वाले इन मंत्री से सरकार की दूरी साफ दिखाई दे रही है। यहां तक की जिन कार्यक्रमों में उनकी मौजूदगी जरूरी होना चाहिए, वहां भी वे मंच पर दिखाई नहीं दिए। वे भोपाल के प्रभारी मंत्री हैं, लेकिन भोपाल गौरव दिवस में भी वे मंच पर नहीं थे। सरकार में होते हुए भी ये दूरी समझ से परे है।

इसी बीच वे लोकायुक्त की जांच के घेरे में भी आ गए। वे मुसीबत में हैं, लेकिन आखिर ऐसे क्या कारण थे कि वे मुख्यमंत्री से भी दूर हो गए! अभी ये कारण तो सामने नहीं आया, लेकिन लग रहा है कि चुनाव से पहले उनके साथ ऐसा रवैया किसी बड़े नुकसान का इशारा हो सकता है। कुछ दिनों पहले उनके ही सागर इलाके के दो मंत्रियों और विधायकों ने उनके खिलाफ मोर्चा खोल दिया था। मंत्री गोपाल भार्गव और गोविंद सिंह राजपूत सहित सागर के भाजपा विधायक मुख्यमंत्री के पास उनकी शिकायत लेकर पहुंच गए थे।

नाराज गुट का कहना है कि उनकी शिकायत को कोई सुन नहीं रहा था, इसलिए एक साथ जाकर मुख्यमंत्री से बात की गई। आश्चर्य की बात यह भी है कि संगठन ने अब तक कोई हस्तक्षेप नहीं किया। ऐसे में भूपेंद्र सिंह के खिलाफ कांग्रेस की शिकायत पर लोकायुक्त शिकायत दर्ज होना भी बड़ी बात है। लोकायुक्त ने मंत्री की जांच शुरु कर दी। कांग्रेस का आरोप था कि भूपेंद्र सिंह ने पिछले 10 साल में लगभग 46 करोड़ की संपत्ति अर्जित की।

कुछ अलग बयां करते दिग्विजय सिंह के तेवर

कांग्रेस नेता और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के काम करने की अलग ही अदा है, जो दिखाई भी देती है। राजनीति में उनका अनुमान भी गलत नहीं निकलता और वे जानते है कि उनका कौनसा कदम उन्हें लोकप्रियता दिलाएगा। सागर के सुरखी विधानसभा इलाके में 10 आदिवासी परिवारों के मकान तोड़े जाने की घटना को यदि देखा जाए, तो यह एक सामान्य घटना है। लेकिन दिग्विजय सिंह ने उसे अपने नजरिए से देखा और घटना के बाद एक ट्वीट किया और भोपाल से सागर के लिए निकल पड़े।

सागर में उन्होंने उस जगह पर जाकर धरना दे दिया जहां 10 मकान वन विभाग ने अतिक्रमण मानकर छोड़ दिए थे। दिग्विजय सिंह वहीं जमीन पर बैठ गए और चेतावनी दी कि जब तक इस मामले का निराकरण नहीं हो जाता, वे यहां से नहीं उठेंगे! उनकी जगह और कोई नेता होता तो शायद उनकी इस धमकी को सामान्य लिया जाता। लेकिन, जब दिग्विजय सिंह ने कहा तो सरकार को भी लगा कि मामला गंभीर है।

उनके बुलाने पर कलेक्टर, एसपी और डीएफओ वहां पहुंचे और वहीं जमीन पर दिग्विजय सिंह से बात की। जिस अंदाज में दिग्विजय सिंह ने उनसे अपनी मांगे मनवाई और वही कार्रवाई को लिखवाया, ये इस बात का संकेत है कि ब्यूरोक्रेसी में दिग्विजय सिंह की दहशत वापस लौट आई।

इस पूरे घटनाक्रम का एक पहलू यह भी है कि सरकार इस पूरे मामले में नहीं बोली। इसलिए कि यह सिंधिया के साथ आए मंत्री गोविंद राजपूत के इलाके का मामला था। दिग्विजय सिंह के ट्वीट के बाद गोविंद राजपूत ने भी तत्काल एक वीडियो जारी करके सफाई दी। उन्होंने यह बताने की कोशिश की, कि यह घटना उनकी जानकारी में नहीं है।

लेकिन, अफसरों का रवैया जिस इस तरह का रहा, उससे लगता है कि उन्हें ऊपर से ही संकेत थे, इस मामले को संजीदगी से निपटाया जाए और वही हुआ भी। घटनाक्रम को देखकर समझने वालों का मानना है अफसरों को भी यह अहसास होने लगा है कि चुनाव नतीजों तक कांग्रेस के बड़े नेताओं से कोई पंगा मोल न लिया जाए। क्योंकि, ऊंट की करवट का कोई अंदाजा भी नहीं होता!

सिंधिया के लोगों से कन्नी काटती भाजपा!

इन दिनों सिंधिया के साथ आए सभी मंत्री कांग्रेस के निशाने पर हैं। यह तो ठीक है लेकिन इसका एक दुखद पहलू यह है कि भाजपा ने एक तरह से उनसे कन्नी काट ली। जब भी सिंधिया समर्थक किसी मंत्री पर कांग्रेस हमलावर होती है, भाजपा पूरी कर उस घटना की अनदेखी कर देती है। पिछले 6 महीने में ऐसी कई घटनाएं हुई, जब सिंधिया समर्थक मंत्रियों पर हुए हमले को भाजपा ने नजरअंदाज किया। अभी तक तो कुछ इसी तरह का इशारा सरकार की तरफ से मिला है।

ग्वालियर में प्रद्युम्न सिंह तोमर से लगाकर जो भी नेता सिंधिया के साथ आए थे, वे इस समय अकेले पड़ गए लगते हैं। महेंद्र सिंह सिसोदिया पर जयवर्धन सिंह ने जिस तरह हमले किए, भाजपा का कोई नेता बीच में नहीं आया। यहां तक कि उन्होंने जयवर्धन सिंह को कोई जवाब तक नहीं दिया। जब जमीन विवाद में गोविंद राजपूत फंसे, तो भी वे अकेले संघर्ष करते रहे। भाजपा की तरफ से उन्हें कोई मदद मिली हो ऐसा दिखाई नहीं दिया। बदनावर में मंत्री राज्यवर्धन सिंह के मामले में भी कुछ ऐसा ही हुआ।

अब तो सिंधिया के लोगों में आपस में भी खींचतान के हालात हैं। महेंद्र सिंह सिसोदिया को पिछले दिनों इमरती देवी तक धमका आई कि यदि मेरे काम नहीं करे, तो मैं वापस कांग्रेस में लौट जाऊंगी। लेकिन, लग रहा है कि सिंधिया भी अब अपने लोगों के बीच में नहीं बोल रहे। क्योंकि, उन्हें पता है कि हवा किस तरफ बह रही है और ऐसे में क्या करना चाहिए!

प्रधानमंत्री की यात्रा के बाद होंगे आईएएस-आईपीएस अफसरों के तबादले

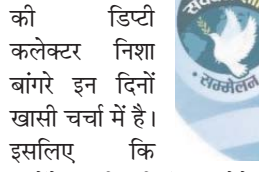

प्रदेश के प्रशासनिक गलियारों में इस बात की चर्चा जोरों से है कि प्रधानमंत्री की 27 जून को मध्य प्रदेश यात्रा के बाद आईएएस-आईपीएस अफसरों के तबादले हो सकते है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इस तबादला सूची में ऐसे अधिकारियों के तबादले होंगे जिनका कार्यकाल एक ही स्थान पर 3 साल से ज्यादा हो गया है या जनवरी तक होने वाला है। इस सूची में इंदौर और उज्जैन संभाग के कमिश्नर के अलावा आधा दर्जन जिलों के कलेक्टर और एसपी के नाम चर्चा में हैं। चर्चा तो 2 और संभाग के कमिश्नर के बदले जाने की भी है। दिग्विजय एपिसोड के बाद सागर के कलेक्टर और एसपी भी बदले जा सकते हैं। वहीं जबलपुर की राज्यसभा सदस्य के साथ हुए व्यवहार को लेकर जबलपुर कलेक्टर के तबादले की भी चर्चा है। वल्लभ भवन गलियारों में इस बात की भी चर्चा है कि मंत्रालय स्तर पर भी अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव और सचिव स्तर पर भी कुछ फेरबदल हो सकता है।

क्या नया करने के मूड में हैं डिप्टी कलेक्टर निशा बांगरे

छतरपुर जिले की डिप्टी कलेक्टर निशा बांगरे इन दिनों खासी चर्चा में है। इसलिए कि उन्होंने अपनी छुट्टी मंजूर न होने पर तत्काल इस्तीफा दे दिया। दरअसल, बैतूल जिले के आमला में उनका मकान बना है और उसके उद्घाटन में शामिल होने के लिए उन्होंने छुट्टी मांगी थी, पर सरकार ने नहीं दी। बताते हैं कि बात इतनी सी नहीं है कि छुट्टी नहीं मिलने पर एसडीएम में इस्तीफा दिया। इसके पीछे कोई बड़ी रामायण है और उसके पीछे छुपा कोई मकसद भी है जिसे समझा जाना चाहिए।

निशा बांगरे ने अपने सीनियर की नाराजी के पीछे धार्मिक कारण भी गिनाए। वे अम्बेडकरवादी विचारधारा की हैं और मकान के उदघाटन के समय ही वे ऐसे किसी कार्यक्रम में शरीक होना चाहती थी, जिसकी सरकार को भनक लग गई। इसके अलावा एक सबसे बड़ी वजह उनकी राजनीतिक इच्छा को भी माना जा रहा है। कुछ दिनों पहले से इस बात की भी सरगर्मी थी कि निशा बांगरे विधानसभा चुनाव लड़ने के मूड में है। ये बात कितनी सच है इस बात का दावा नहीं किया जा सकता, पर इस घटना ने इस खबर पर मुहर लगा दी कि वे चुनाव लड़ सकती हैं।

चुनाव से पहले जिस तरह का प्रचार मिलना चाहिए था, वह तो निशा बांगरे को मिल गया। जिस तरह का माहौल उन्होंने बनाया उससे यह बात भी स्पष्ट हो गई, कि वह कम से कम वे भाजपा के टिकट पर तो चुनाव नहीं लड़ने वाली। जिस भी पार्टी के टिकट पर वे चुनाव लड़ने के मूड में होंगी, इस एक घटना ने उन्हें लोकप्रियता तो दिलाई। निश्चित रूप से इसका फायदा उन्हें चुनाव में मिलेगा और तब भी वे सरकार को घेरने का कोई मौका भी नहीं छोड़ेंगी। इस बीच उन्होंने यह भी स्पष्ट कर दिया कि वह किसी भी स्थिति में नौकरी पर वापस नहीं लौटेंगी। यानी यह समझा जाना चाहिए कि आमला से एक उम्मीदवार तो तय हो गया।

केजरीवाल और उप राज्यपाल के बीच तनातनी जारी

बीते हफ्ते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तो अमेरिका और इजिप्ट की यात्रा में भारत के सबंधों को नयी ऊंचाई देने मे व्यस्त थे, लेकिन दिल्ली में मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल और उप राज्यपाल वी के सक्सेना के बीच तनावपूर्ण पत्र व्यवहार चल रहा था। केजरीवाल ने अपने पत्र में आरोप लगाया कि दिल्ली की कानून व्यवस्था बहुत बिगडी, चूंकि आप दिल्ली के लिए नये है इसलिए आपको (उपराज्यपाल) जमीनी हालात का पता नहीं है।

उपराज्यपाल ने अपने पत्र में मुख्यमंत्री को सलाह दी कि वे कानून व्यवस्था के मुद्दे पर राजनीति न करें। सक्सेना ने यह भी लिखा कि दिल्ली की स्वास्थ्य सेवा में सुधार के दावे फर्जी है। वास्तव में शीला दीक्षित के मुख्यमंत्री के समय ही अच्छे काम हुए। बहरहाल आप के सीएम ने उप राज्यपाल के इस पत्र का अभी तक जवाब नही दिया है।

केंद्र में महत्वपूर्ण पदों पर आसीन है इस छोटे राज्य के आईएएस-आईपीएस अफ़सर

देश के छोटे राज्य छत्तीसगढ़ के अधिकारी इन दिनों

केंद्र सरकार में महत्वपूर्ण पदों पर आसीन है। फिलहाल पांच अधिकारियों को खास जिम्मेदारी दी गई है। बी वी वी सुब्रमण्यम नीति आयोग के सीईओ है जबकि गिरीश द्विवेदी, प्रसार भारती और अमित अग्रवाल, यूआईडीआई के सीईओ है। ये तीनों आईएएस अधिकारी हैं। छत्तीसगढ़ काडर के दो आईपीएस अधिकारी- रवि सिन्हा, रा के प्रमुख और स्वागत दास केबिनेट सचिवालय मे सचिव सुरक्षा है।

रा में जुलाई में होंगे व्यापक तबादले

देश की प्रमुख जांच एजेंसी रा में नए बॉस रवि सिन्हा आ गए है। वे वरिष्ठ आईपीएस अफसर है। माना जा रहा कि सिन्हा अब अपने हिसाब से नए अफसर लायेंगे। इसीलिए इस बात के कयास लगाए जा रहे है कि रा में जुलाई महीने में व्यापक तबादले हो सकते है। इनमें मध्यम और उसके नीचे के अधिकारियों के ज्यादा प्रभावित होने की संभावना है।

बताया जाता है कि इनमे से कई अधिकारियों का तबादला तो एक साल पहले हुआ था लेकिन विभिन्न कारणों से वे अभी तक रिलीव नहीं हुए थे। अब इन अधिकारियों की बिदाई हो सकती है।

राज-काज: यह भाजपा में मोहभंग, घुटन या कुछ और..

दिनेश निगम त्यागी

प्रदेश के राजनीतिक में लंबे समय से कांग्रेस एवं अन्य दल छोड़कर नेता भाजपा में आ रहे थे, अब भगदड़ के हालात भाजपा में है। हर हफ्ते पार्टी का कोई बड़ा नेता साथ छोड़ रहा है। पिछले हफ्ते ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ रहे बैजनाथ यादव ने भाजपा छोड़ कांग्रेस का हाथ थामा था, इस हफ्ते पूर्व विधायक ध्रुव प्रताप सिंह और एक अन्य नेता कांग्रेस के साथ आ गए। सिंधिया के एक और समर्थक राकेश गुप्ता ने भी बगावत

कर दी है। यह स्थिति भाजपा के मोहभंग के कारण है, नेता घुटन महसूस करने लगे हैं या यह मप्र में भाजपा के कमजोर होने का संकेत है, कह पाना कठिन है लेकिन इस बदलाव के मायने गढ़े जा रहे है।

खास यह है कि सिंधिया के साथ जुड़े नेता ज्यादा असहज हैं। बैजनाथ यादव जब कांग्रेस में आ रहे थे तब इमरती देवी प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर को धमका रही थीं। उनके कहने का आशय यह भी था कि वे कांग्रेस फिर ज्वाइन कर सकती हैं और अब राकेश गुप्ता। ये महाराज से जुड़े हैं। यह अटकलें लगातार हैं कि सिंधिया इस बार अपने सभी समर्थकों को टिकट नहीं दिला पाएंगे। इसकी वजह से भी कुछ और समर्थक भाजपा को छोड़कर कांग्रेस के साथ आने की तैयारी में हैं। कांग्रेस नेता कहते तो हैं कि गद्दारों को पार्टी में नहीं लिया जाएगा, लेकिन आने वाले को हाथोंहाथ लिया भी जा रहा है।

भाजपा में किनारे तो नहीं हो रहे ज्योतिरादित्य?

भाजपा की राजनीति में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को लेकर दो दृश्य

एक साथ देखने को मिल रहे हैं। पहला, नेतृत्व परिवर्तन की दशा में उन्हें मुख्यमंत्री पद के लिए प्रमुख दावेदार बताया जा रहा है। दूसरा, चुनाव की रणनीति से जुड़ी बैठकों और बदलाव को लेकर चल रही उच्च स्तरीय कसरत में उनकी पूछपरख नहीं हो रही। पहला दृश्य इसलिए ज्यादा मायने नहीं रखता क्योंकि अब लगभग तय हो गया है कि भाजपा शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में ही विधानसभा चुनाव लड़ने वाली है। दूसरा दृश्य ज्यादा महत्वपूर्ण है।

हाल में हुई चुनिंदा नेताओं की बैठकों में कैलाश विजयवर्गीय महत्वपूर्ण भूमिका निभाते नजर आए। इसमें प्रहलाद पटेल, नरेंद्र सिंह तोमर और भाजपा के प्रदेश प्रभारी, संगठन महामंत्री शामिल हुए लेकिन कोर ग्रुप की बैठक के सिवाय सिंधिया कहीं नजर नहीं आए। इसका मतलब यह तो नहीं कि सिंधिया के खिलाफ भाजपा के दूसरे नेता लामबंद हो रहे हैं और उन्हें किनारे करने की कोशिश हो रही है? इस दूसरे दृश्य की वजह से ही चर्चा चल पड़ी है कि सिंधिया कांग्रेस से साथ आए सभी नेताओं को टिकट नहीं दिला पाएंगे। इससे उनके समर्थकों में खलबली और भगदड़ की स्थिति है। कई नेता भाजपा छोड़ चुके हैं और कई छोड़ने की तैयारी में हैं। सिंधिया को अपना कुनबा संभाल कर रखना मुश्किल हो रहा है।

दिग्विजय के निशाने पर महाराज के गोविंद

केंद्रीय मंत्री महाराज ज्योतिरादित्य सिंधिया के सबसे खास सिपहसलार

प्रदेश सरकार के मंत्री गोविंद सिंह राजपूत वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह के निशाने पर हैं। इसी कारण गोविंद के सुरखी क्षेत्र में वन अमले ने कुछ दलितों के अतिक्रमण हटाए तो दिग्विजय बना देर किए मौके पर पहुंच गए। पीड़ितों की समस्या सुनी और धरने पर यह कह बैठ गए कि जब तक इनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, वे 'टस का मस' नहीं होंगे। इससे प्रशासन की सांसें फूल गईं।

अफसरों को तत्काल दिग्विजय की सभी मांगें मानना पड़ीं। हालांकि गोविंद ने पहले ही कह दिया था कि उनकी जानकारी के बगैर वन अमले ने अतिक्रमण हटाया है। उन्हें जैसे ही पता चला दोषी रेंजर को सस्पेंड कर दिया गया और दलितों को आवास बनाकर देने की घोषणा की गई। सवाल ये है कि प्रदेश में इतनी घटनाएं होती हैं लेकिन दिग्विजय सुरखी क्षेत्र ही क्यों पहुंचे? गोविंद से उनकी ऐसी क्या नाराजगी है? खबर है कि गोविंद के खिलाफ मजबूत प्रत्याशी की तलाश की योजना के तहत गोविंद के कट्टर विरोधी राजकुमार धनौरा ने पारुल साहू के साथ जाकर दिग्विजय और कमलनाथ से मुलाकात की है। राजकुमार ने सुरखी में गोविंद के खिलाफ झंडा उठा रखा है। वे वहां से कांग्रेस प्रत्याशी हो सकते हैं। साफ है गोविंद को घेरने का कोई मौका दिग्विजय नहीं छोड़ रहे हैं।

'डर्टी पॉलिटिक्स' से कुछ हासिल होने वाला नहीं

विधानसभा चुनाव नजदीक आने के साथ भाजपा-कांग्रेस के बीच 'डर्टी पॉलिटिक्स' तेज होने लगी है। भोपाल

की दीवारों, मार्गों पर लगाए गए कुछ पोस्टर इसके उदाहरण हैं। पहले पोस्टर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ के खिलाफ लगे। इनमें लिखा था 'वांटेड करप्शन नाथ' और 'वांछित करप्शन नाथ'। इसे लेकर भाजपा-कांग्रेस के बीच आरोप-प्रत्यारोप जारी थे। इस बीच कुछ स्थानों पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के खिलाफ पोस्टर लग गए।

इनमें लिखा गया 'शिव राज-घोटाला राज'। कांग्रेसी पोस्टर को लेकर एफआईआर दर्ज कराने पुलिस थाने तक पहुंच गए और धरना दे दिया। सवाल है क्या, इस 'डर्टी पॉलिटिक्स' से कुछ हासिल होगा, संभवतः कुछ भी नहीं। जनता राजनीतिक दलों के बीच की इस नूरा-कुश्ती से वाकिफ है। कमलनाथ शिवराज सरकार पर भृष्टाचार में डूबे होने का आरोप लगाते हैं और शिवराज कहते हैं कि कमलनाथ के मुख्यमंत्री रहते बल्लभ भवन दलालों और भ्रष्टाचार का अड्डा बन गया था। लेकिन दोनों सरकारों ने किसी नेता को भ्रष्टाचार के आरोप में जेल में नहीं डाला। वैसे तो राजनीति ईमानदार रहकर नहीं हो सकती, फिर भी लोग जानते हैं कि कौन नेता ईमानदार है और कौन भ्रष्ट, फिर भी वह इस आधार पर वोट नहीं करती। मुहिम से साफ है, कमलनाथ भाजपा की राह का रोड़ा हैं। इसलिए निशाने पर भी।

एक दूसरे का काम लगा देंगे नारायण-गणेश

सागर में गोविंद सिंह राजपूत-भूपेंद्र सिंह की तरह भाजपा नेतृत्व सतना में सांसद गणेश सिंह एवं विधायक नारायण त्रिपाठी के बीच का विवाद भी नहीं सुलझा सकी है। यह शांत न हुआ तो नारायण-गणेश एक दूसरे का काम लगाएंगे ही, भाजपा को भी खासा नुकसान हो सकता है। गणेश विंध्य में पिछड़े वर्ग के नेता हैं और लगातार सांसद जबकि नारायण की पकड़ ब्राह्मण समाज में अच्छी है। वे भी मैहर

से कई बार विधायक रह चुके हैं। नारायण हालांकि दल विशेष के प्रति कभी प्रतिबद्ध नहीं रहे लेकिन लोगों के बीच उनकी पकड़ हमेशा मजबूत रही। इसीलिए वे अलग-अलग दलों से चुनाव जीतते रहे हैं। नारायण लंबे समय से भाजपा पर हमलावर हैं और उससे ज्यादा सांसद गणेश सिंह पर। पिछले दिनों भाषा की मयार्दा लांघते हुए गणेश को उन्होंने राक्षस तक कह दिया था। जवाब में गणेश ने कहा था कि वे मदद न करते तो नारायण विधायक ही नहीं बनते। नारायण पहले ही विंध्य अंचल को लेकर भाजपा से अपना रास्ता अलग करने का संकेत दे चुके हैं। विंध्य में इस बार भाजपा की स्थिति पिछले चुनाव जैसी नहीं है। कांग्रेस उसे कड़ी टक्कर देने की स्थिति में है। भाजपा पर वह भारी भी पड़ सकती है। ऐसे हालात में इन विवादों को न सुलझाया गया तो भाजपा को बड़ा नुकसान हो सकता है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह कार्यक्रम की तैयारियां पूरी

दमोह जिले की जबेरा विधानसभा क्षेत्र के नगर परिषद तेंदूखेड़ा में मुख्यमंत्री कन्या विवाह /निकाह योजना की तैयारियां पूर्णता की ओर है। इस आयोजन में जबेरा विधायक धर्मेंद्र सिंह लोधी निरंतर कार्यक्रम की तैयारियों में अपनी सहभागिता निभा रहे हैं। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर कार्यक्रम की रूपरेखा एवं भोजन व्यवस्था, पंडाल व्यवस्था, पानी व्यवस्था, पार्किंग स्थल, सहित अन्य गतिविधियां का जायजा लिया।इस सामूहिक विवाह सम्मेलन में लगभग 30000 लोगों के पहुंचने की संख्या बताई जा रही है, अभी तक इस आयोजन में पात्र हितग्राहियों के 851 आवेदन स्वीकृत हो चुके हैं। प्रयास यही किए जा रहे हैं कि अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों के आवेदन स्वीकृत किया जा सके। ज्ञात है कि पूर्व में गत दिनो जबेरा विधानसभा के ग्राम नोहटा में आयोजित विवाह सम्मेलन में 726 जोड़े सम्मिलित हुए थे एवं 20,000 से अधिक की संख्या में लोगों की उपस्थिति रही थी । यह दमोह जिले में जबेरा विधानसभा का सबसे बड़ा सामूहिक विवाह सम्मेलन माना गया था। इसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए जबेरा विधायक इस बार और भी लगन और मेहनत से कार्यक्रम का आयोजन कर रहे हैं इससे लगभग तय है कि संख्या और भी अधिक रहेगी। जबेरा विधायक धर्मेन्द्र सिंह ने लोधी ने कहा कि मैं मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान जी का आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने गरीब बेटा बेटियों की शादी के लिए योजना का शुभारंभ किया। जिससे गरीब परिवारों में इस योजना से निश्चित तौर पर लाभ पहुंच रहा है।

सरकार सड़क बनाती है, लेकिन संत अध्यात्म का मार्ग बनाते हैं

सिवनी- आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी प्रज्ञानानंद सरस्वती जी महाराज के मुखारबिंद से सिमरिया ग्राम में चल रही श्रीमद्भागवत कथा में कांची कामकोटी पीठ के शंकराचार्य स्वामी विजयेंद्र सरस्वती जी महाराज पधारे। कथा पंडाल में भक्त मंडल को आशीर्वचन देते हुए शंकराचार्य जी ने कहा कि, दूर ग्राम अंचल में आध्यात्मिक प्रवचन एवं धार्मिक जागृति की बहुत आवश्यकता है। स्वामी प्रज्ञानानंद जी महाराज वही कार्य कर रहे हैं। उन्होंने स्मरण किया अपने पूज्य गुरुदेव स्वामी जयेंद्र सरस्वती जी महाराज को और कहा कि हमारे गुरुदेव का एवं स्वामी जी का बहुत गहरा संबंध रहा है। प्रसिद्ध अधिवक्ता बेनी शंकर शर्मा द्वारा अपनी माता जी की पुण्य स्मृति में श्रीमद् भागवत कथा में आज कांची कमाकोटी पीठ के शंकराचार्य जी का आगमन हुआ। शर्मा परिवार की ओर से श्री शंकराचार्य जी के पादुका का पूजन हुआ। चंद्रमौलेश्वर भगवान का भी पूजन हुआ एवं जनमानस को आपने धार्मिक जागृति के लिए प्रेरित किया, क्योंकि धर्म ही जीवन जीने का मार्ग बनाता है, सरकार भी मार्ग बनाती है, वह लौकिक है और संत अध्यात्म का मार्ग बनाते है, वह अलौकिक है। श्रीमद् भागवत कथा में आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी प्रज्ञानानंद सरस्वती जी महाराज के द्वारा श्रीमद्भागवत मात्र सूत्र कथा में श्रीमद्भागवत को मां का स्वरूप बताया। मां भगवती की आठ भुजाएं हैं जो भागवत की तरह जीवन सूत्र प्रदान करते हैं। धर्म धन सत्य सन्मार्ग क्षमा दया दान पवित्रता धैर्य और करुणा यह सब श्रीमद्भागवत रूपी मां के द्वारा प्राप्त होता है। धर्म का स्वरूप क्या होना चाहिए एवं सत्यम परम धीमहि जैसे जीवन सूत्र हमें भागवत प्रदान करती है।

एएसपी ने नगर का भ्रमण कर व्यापारियों से की चर्चा कर कैमरा लगवाने की दी सलाह

बरेली । शनिवार को रायसेन जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमृत मीणा ने थाना प्रभारी आशीष सप्रे एवं बरेली पुलिस बल के साथ शहर का औचक निरीक्षण किया छोटा बाजार बड़ा बाजार में स्थित पहुंचकर व्यापारियों से चर्चा की अमृत मीणा ने बरेली के सभी व्यापारियों को सलाह दी है कि दुकानों के सामने आमजन और दुकानों की सुरक्षा की दृष्टि से सीसीटीवी कैमरा लगवाए जिससे पुलिस को अपराधियों तक पहुंचे मैं आसानी हो सके वहीं व्यापारियों को एएसपी ने भरोसा दिलाया कि बरेली पुलिस सदैव आपके साथ है अपराधियों को किसी भी तरह बख्शा नहीं जाएगा जिसके बाद अमृत मीणा ग्राम कामतौन पहुंचे जहां पर पुलिस चौपाल लगाकर ग्रामीणों से पुलिस ने संवाद कर कहा कि छोटे-मोटे झगड़ों को आपसी में वरिष्ठ जन सुलझाएं गांव में नाली पानी निकासी एवं खेत के मेड़ बंधान के मामले थाने तक पहुंच जाते हैं और जो बड़ा रूप ले लेते हैं जबकि गांव में वरिष्ठ जनों के मार्गदर्शन में कई समस्याएं हल हो सकती हैं जिन्हें सभी ग्रामवासी आपसी समन्वय बनाकर सुलझाएं और कहां अपराध जैसे मामलों को छुपाए नहीं गांव में कोई भी शराब या अन्य सामाजिक गतिविधियों में संदिग्ध व्यक्ति है तो उसकी तत्काल पुलिस को सूचना दें पुलिस आपकी सहयोगी है गांव में हुए अपराध के समय ग्रामीण पुलिस को आकर सही बात बताएं कि मामला यह सही है जिससे पुलिस निष्पक्ष मामला दर्ज कर कार्रवाई कर सकें।

शासकीय अफसरान भोपाल से कर रहे अप-डाउन

न्यायाधीशगण शासकीय बंगलों में रह रहे, कई आवास खंडहर

औबेल्लागंज। 24 घण्टे 07 दिन कार्य करने वाले शासकीय कर्मचारियों व अधिकारियों को रात्रि में फ़ोन कर दिया जाये तो, उनका कहना होता है यह कोई टाइम है, फ़ोन लगाने का। उक्त मुद्दा भोपाल से ईंधन फूंककर, रोज़ाना 100 किलो.मीटर से अधिक का सफर तय कर तहसील गौहरगंज प्रांगण आना-जाना होता है। विश्वशनीय सूत्रों की माने तो, तहसील में अधिकारीगण 11 बजे से पहले नही आते। दूसरी ओर देखें तो, न्यायालय के अपर सत्र न्यायाधीश से लेकर प्रथम क्षेणी न्यायाधीशगण गौहरगंज में शासन द्वारा अलॉट मकानों में निवास कर रहे हैं। प्रशानिक कार्यप्रणाली की बात करें तो, अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम), तहसीलदार व तहसील गौहरगंज में कार्यरत अन्य प्रशासनिक कर्मचारीगण बाहर से ही अप-डाउन कर रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार एसडीएम एवं तहसीलदार के लिए औबेदुल्लागंज ब्लॉक अंतर्गत शासकीय मकान अलॉट हैं, जिसमे कभी कभार अधिकारीगण रुक जाया करते हैं परंन्तु शाम होते ही गौहरगंज जो, कार्यक्षेत्र है वहां से रवानगी कर देते हैं । गौहरगंज को 2007-2008 में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा नगर पंचायत करने की घोषणा की गई थी। उक्त घोषणा हज़ारों की संख्या में एकत्रित जनता के समाने, मंच से कही गई थी परंन्तु तहसील गौहरगंज अब-तक ग्राम पंचायत ही है। पहले तहसील का टप्पा सुल्तानपुर था अब पूर्णतः तहसील का दर्जा सुल्तानपुर को भव्य भवन के साथ दे दिया गया है। गौहरगंज में नायाब तहसीलदार के अलावा कोई अधिकारी गौहरगंज या औबेदुल्लागंज में निवास नही कर रहा है। गौहरगंज में अधिकत्तर शासकीय भवन खंडहर हो चुके हैं या कब्ज़े के शिकार हो चुके हैं। न्यायाधीशों, न्यायालय के कर्मचारियों के अलावा पुलिस थाना प्रभारी, उपनिरीक्ष व सिपाहियों के सिवा कोई यहां निवासरत नही है। 02 घण्टे के लागभग भोपाल से गौहरगंज अप-डाउन में लगते हैं वहीं, शासकीय ईंधन का नुकसान भी होता है। गौहरगंज में तहसीलदार भवन से लेकर अन्य शासकीय भवन खंडहर में तब्दील होते चले जा रहे हैं, अनुमान है कि इस बारिश उक्त शासकीय भवनों का गिरना शुरू हो जायेगा। ग्राम में कई

भवन कब्ज़े के हवाले भी हो गये हैं। उक्त सभी तहसील प्रांगण के नाक के नीचे होते आ रहे कब्जों व खण्डहर होते भवनों पर किसी का ध्यान वर्षों से नही है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पूर्व में तहसीलदार भवन में गौहरगंज पटवारी निवास कर रहे थे जब हमने मौके पर जाकर देखा तो, पूर्व में तहसीलदार भवन खंडहर हालात में देखने को मिला एवं उक्त स्थान पर कोई निवास नही कर रहा है। गौहरगंज में सैंकड़ों की संख्या में शासकीय भवनों का दुरुपयोग हो रहा है व जिर्णोउधार की दरकार भवन चीख-चीख कर लगा रहे हैं। गौहरगंज तहसील के शासकीय अफसरान भोपाल से अप-डाउन कर रहे हैं एवं हज़ारों रुपये का ईंधन आने-जाने में बे-फजूल फूंक रहे हैं। औबेदुल्लागंज में एसडीएम, तहसीलदार के शासकीय भवन बताये जा रहे हैं परंन्तु गौहरगंज में कोई अधिकारी रुकना क्यों नही चाहता है, बड़ा सवाल है।

अप-डाउन क्यों ?

शिक्षा संस्थाओं के न होने से, ग्रामीण क्षेत्र में शहर से संपर्क न टूटने के डर से भी अपडाउन के पक्ष में शासकीय लोग हैं एवं साफ सफाई के अभाव में भी अफसरान व कर्मचारी ग्राम गौहरगंज में रुकने से हिचकिचाते हैं। सवाल यह भी उठता ही कि जब अफसरान तहसील स्तर पर निवास नही करेंगे तो, विकास तेज़ी से कैसे होगा। लाखों करोड़ों के शासकीय भवनों को खण्डहर में तब्दील होते देख चुप कैसे रहा जा सकता है जबकि, उक्त तहसील से ही विवादित अतिक्रमणों के केस सुलझाए जाते हैं परंन्तु यहीं शासकीय भवन कब्जों की क्षेणी में निरंतर अग्रसर हो रहे हैं। न कोई देख-रेख व न किसी के निवास होने से ग्राम पिछड़ेपन से गुज़र रहा है। उक्त संबंध में जिम्मेदारों से बातचीत की जा सकती है, परंन्तु वही घुमा-फिराकर शासकीय कार्यप्रणाली को सही साबित कर दिया जाएगा। अब जो है जनता के सामने है एवं विधानसभा चुनाव सर पर हैं।

पीएम के आने से पहले सीएम ने कार्यक्रम स्थल का किया निरिक्षण

शहडोल। जिले मे प्रधानमंत्री मोदी का आगमन 27 को होने जा रहा है जिसको लेकर के तैयारियां अपने अंतिम पड़ाव पर है इस कार्यक्रम मे वह वीरांगना रानी दुर्गावती बलिदान दिवस गौरव यात्रा समापन समारोह मे सम्मिलित होंगे और यही से राष्ट्रीय सिकल सेल उन्मूलन मिशन 2047 एवं 1 करोड़ आयुष्मान कार्ड वितरण कार्यक्रम का शुभारम्भ करेंगे प्रधानमंत्री के आने से लेकर उनके पकरिया गांव मे सम्मिलित होने, ग्रामीणों के बीच चौपाल लगाकर भोजन करने और इसके पश्चात् उनके प्रस्थान तक से जुडी छोटी से छोटी चीजों को भी बारीकी से जांच किया गया है यही नहीं किसी भी प्रकार की कमी ना हो इसके लिये आज स्वयं प्रदेश के मुखिया शिवराज का आगमन लालपुर मे हुआ जहाँ पर उन्होंने खुद कार्यक्रम से जुडी हर छोटी बड़ी चीजों का बारीकी से परिक्षण किया और कार्यक्रम से जुड़े प्रमुख प्रशाशनिक अधिकारियो को आवश्यक दिशा निर्देश दिए संभव है की मौसम के बदले मिजाज ने एक तरफ सुकून तो दूसरी ओर कार्यक्रम मे किसी भी प्रकार की परेशानी ना हो का डर बना रखा है जिसको लेकर मुख्यमंत्री द्वारा समय से पूर्व ही उसकी व्यवस्था करवाये जाने और जनता सहित कार्यक्रम मे किसी भी प्रकार की बाधा ना हो पर जोर दिया 7

सीएम ने पूछा- अम्मा कैसे दिए जामुन

कार्यक्रम का जायजा लेने के दौरान सड़क के किनारे बैठकर जामुन बेच रही महिला को देख सीएम खुद को रोक न सके और पैदल सड़क पार कर जामुन बेच रही अम्मा के पास पहुँचे, जामुन भी चखे और उनके हाल चाल भी जाने। जितनी खुशी और प्रसन्नता अम्मा के चेहरे पर झलक रही थी उतने ही खुश दिखे मुख्यमंत्री। इस बीच सीएम ने वहाँ फुटबाल खेल रहे छोटे- छोटे बच्चों से भी संवाद किया।

मजदूरों और आजीविका बहनो के बीच पहुचे सीएम

सीएम आज एक अलग ही अंदाज देखने को मिले जो भावनात्मक भी है और हृदयस्पर्शी भी यही बात उन्हें अन्य नेताओं से अलग बनाती है। कार्यक्रम सबंधी तैयारियों का जायजा लेने के पश्चात मुख्यमंत्री शहडोल के पकरिया गांव में भरी दोपहरी में मजदूरों को काम करते देख उनके बीच पहुँच गए। सीएम को अपने बीच देख काम कर रहे मजदूरों के चेहरों पर खुशी और आनन्द का ठिकाना न रहा। उनके चेहरे पर खुशी झलक रही थी। सीएम ने मजदूर भाई-बहनों और आजीविका मिशन की बहनो से चर्चा कर उनकी आर्थिक स्थिति और हाल-चाल जाना और कहाँ बहनों हमें गरीब नहीं लखपति बनना है और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की ।

मप्र श्रमजीवी पत्रकार संघ का 1 दिवसीय जिला सम्मेलन संपन्न

पत्रकार किसी दल का नहीं होता बल्कि जनता की आवाज होता है

दमोह मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ का एक दिवसीय जिला सम्मेलन प्रांतीय अध्यक्ष शलभ भदौरिया के सानिध्य में स्थानीय मानस भवन में संपन्न हुआ। जिसमें जिले के सभी सदस्यों ने अपनी उपस्थिति दी। कार्यक्रम की शुरुआत मंचासीन अतिथियों द्वारा सरस्वती पूजन के साथ की गई जिसके बाद जिला अध्यक्ष विजय श्रीवास्तव ने स्वागत भाषण दिया वही जिला महासचिव राम अवतार पाली ने अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। आयोजित सम्मेलन में प्रदेश से आए प्रदेश महासचिव सुनील त्रिपाठी, पूर्व कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष मो. अली, प्रदेश सचिव रामकिशोर अग्रवाल, प्रदेश सचिव रामशरण पाराशर, संभागीय अध्यक्ष एवं महासचिव सहित सागर, छतरपुर, पन्ना, निवाड़ी जिले के जिला अध्यक्ष एवं महासचिव ने अपने-अपने विचार सदस्यों के समक्ष रखे। प्रांतीय अध्यक्ष ने अपने उद्बोधन में कहा कि हम संगठन के लिए कार्य कर रहे हैं और सभी पत्रकार लगन ईमानदारी से कार्य करें, जो पत्रकारों की समस्याएं होती हैं उन्हें सरकार तक अपना ही संगठन ही ले जाता है और अपनी मांगों को पूरी करने के लिए कहता है, अनेक मांगे सरकार ने मानी भी है, पत्रकार किसी दल के नहीं रहते वह जनता की आवाज होते है एवं सच्चाई का आईना दिखाते हैं। कार्यक्रम के मुख्य

अतिथि पूर्व वित्त मंत्री जयंत मलैया व दमोह विधायक अजय टंडन रहे। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि के रूप में हटा विधायक पी एल तंतुवाय, पूर्व विधायक उमादेवी खटीक, पूर्व नगर पालिका दमोह अध्यक्ष पं. मनु मिश्रा, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष पथरिया लक्ष्मण सिंह, नगर पालिका पथरिया अध्यक्ष सुंदर लाल विश्वकर्मा, ठेकेदार भरत पटेल शामिल रहे। कार्यक्रम के अंत में दिवंगत हुए पत्रकारों एवं देश की रक्षा करने वाले सैनिकों के लिए 2 मिनट का मौन रखकर सभी ने श्रद्धांजलि दी। मंच संचालन वरिष्ठ पत्रकार आजम खान ने किया वही आभार प्रदर्शन संभागीय उपाध्यक्ष नरेंद्र चौकरया ने माना।

शिवराज सरकार भरमार घोटालों की सरकार : कांग्रेस

सिवनी- मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर जिला कांग्रेस कमेटी सिवनी द्वारा नगरपालिका के सामने धरना प्रदर्शन कर महामहिम राज्यपाल जी को प्रदेश एवं जिले की निम्नलिखित समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा गया। मध्यप्रदेश की वर्तमान स्थिति से प्रदेश के संवैधानिक मुखिया होने के नाते आप भली प्रकार अवगत है। मध्यप्रदेश में शिवराज सिंह चैहान की सरकार घोटाले, भ्रष्टाचार और जनविरोधी नीतियों में लिप्त है। पूरे प्रदेश में त्राहि-त्राहि की स्थिति बनी हुई है, इन समस्याओं की और आपका ध्यान आकर्षित करने के लिए आज दिनांक 24 जून 2023 को कांग्रेस पार्टी पूरे प्रदेश में धरना-प्रदर्शन कर रही है, और इस ज्ञापन के माध्यम से आपको समुचित कार्यवाही करने का आग्रह करती है।

आपको विदित होगा कि पिछले महिने तेज हवा चलने से ही उज्जैन में महाकाल लोक में बनी सप्त ऋषियों की मर्तिया गिर गई और महाकाल लोक को अन्य तरीके का नुक्सान भी पंहुचा। महाकाल लोक का उद्घाटन देश के सम्मानित प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने किया था। सप्त ऋषियों मूर्तिया गिरना ना सिर्फ अपशगुन है बल्कि शिवराज सिंह सरकार के भ्रष्टाचार का जीता-जागता उदाहरण है। इस ज्ञापन के माध्यम से हम मांग करते है कि महाकाल लोक में हुए भ्रष्टाचार की उच्च न्यायालय के किसी जज से स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच कराई जाए और दोषियों को दंडित किया जाएं। विदित ही है कि 12 जून 2023 को राजधानी भोपाल के सचिवालय के सतपुड़ा भवन में भीषण आग लगी और इसमें महत्वपूर्ण सरकारी दस्तावेज जलकर भस्म हो गए। कांग्रेस पार्टी का आरोप है कि यह आग लगी नहीं थी, बल्कि शिवराज सरकार के भ्रष्टाचार के सबूत मिटाने के लिए जानबूझकर लगाई गई थी। इस अग्निकांड की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच होनी चाहिये तथा दोषी अधिकारियों एवं राजनैतिक नेतृत्व को दंडित किया जाना चाहिए। मध्यप्रदेश में इस समय बड़े पैमाने पर अघोषित बिजली कटौती की जा रही है, आम नागरिक इस बिजली कटौती से बुरी तरह परेशान है, हालत यह है कि महत्वपूर्ण सरकारी अस्पतालों तक में बिजली कटौती हो रही है, यह सीधे-सीधे संविधान में दिए गए मानव अधिकारों का उल्लंघन है। आप मुख्यमंत्री एवं मध्यप्रदेश सरकार को निर्देशित करे कि प्रदेश में बिजली की आपूर्ति निर्वाद रूप से हो सके। इन परिस्थितियों के साथ ही प्रदेश में व्याप्त भारी भ्रष्टाचार, घोटाले एवं बढ़ती महंगाई, रसोई गैस, पेट्रोल, डीजल के दामों पर भारी वृद्धि, बेरोजगारों, महिलाओं, अबोध बालिकाओं पर हो रहे अत्याचार आदि के विषय भी समय समय पर आपके संज्ञान में आते होंगे।मध्यप्रदेश की सरकार इन सब विषयों पर कुंभकरण की तरह सो रही है, ऐसे में आप

संवैधानिक मुखिया होने के नाते इन विषयों पर सरकार से सही कदम उठाने के लिए निर्देश दें। माननीय आपसे निवेदन है कि यें सभी विषय मध्यप्रदेश के 8 करोड़ से अधिक निवासियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है और उनकी जीवनधारा इन विषयों से जुड़ी हुई है। जिस प्रदेश में ना भगवान का घर सुरक्षित हो ना सरकार का घर अर्थात सचिवालय सुरक्षित, ना अस्पताल में बिजली आती हो और बहु-बेटिया सुरक्षित घर से बाहर ना निकल पाती हो, वहां लोग किस तरह से अपना जीवन निर्वाह कर रहें होंगे आप अच्छी तरह से समझ सकते है।सिवनी जिले में पुनः घनत्वीकरण योजना के अंतर्गत नगर की बेश-कीमती जमीनों को बाजार मूल्य का ध्यान ना रखते हुये प्रशासन और सत्ताधारी दल के जनप्रतिनिधियों की मिली भगत से औने-पौने दाम पर बेचा जा रहा है शासकीय जमीन ब्रिकी पर शीघ्र रोक लगायी जाए।

अपराधियों के खिलाफ बॉण्ड ओवर की हुई कार्यवाही

आगामी चुनाव को लेकर शांति व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश

छतरपुर । कलेक्टर छतरपुर संदीप जी.आर. के निर्देश पर आगामी विधानसभा एवं लोकसभा चुनाव के मद्देनजर जिले में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था चुस्त दुरूस्त करने के लिए राजस्व एवं पुलिस अधिकारियों ने संयुक्त रूप से जिले भर में कैंपों के माध्यम से बॉण्ड ओवर 107 एवं 116 की कार्यवाही की।

इसीक्रम में रविवार को थाना बक्सवाहा में 5 प्रकरणों में नोटिस तामीली की गई, ग्राम खरोही में प्रतिबंधात्मक कार्यवाही में राजस्व और पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा कैम्प थाने में कैम्प आयोजित कर मौके पर 10 व्यक्तियों से बॉन्ड ओवर भरवाया गया। साथ ही शांति व्यवस्था बनाए रखने निर्देशित किया गया। ईशानगर में 17 व्यक्तियों को प्रतिबंधात्मक करते हुए बॉण्ड ओवर भरवाया गया। इसी तरह बिजावर की ग्राम पंचायत देवरा एवं जैतपुर एवं महाराजपुर के ग्राम नुना में भी अपराधियों पर बॉण्ड ओवर की कार्यवाही की गई। कार्यवाही में संबंधित थानों के थाना प्रभारी, टी.आई. एवं राजस्व अधिकारियों में तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार उपस्थित रहे। यह कार्यवाही लगातार जारी रहेगी। साथ ही आगामी विधानसभा एवं लोकसभा चुनाव से जुड़ी शिकयतों के समुचित एवं समयसीमा से पूर्व समाधान सहित थानों में लंबित गैर जामानती वारंट की तामीली भी की जा रही है।

कांग्रेस ने किया जिला स्तरीय धरना प्रदर्शन

नर्मदापुरम। उज्जैन महा लोकपाल घोटाला सतपुड़ा भवन अग्निकांड भीषण बिजली कटौती और प्रदेश की जनता पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष के नेतृत्व में स्थानीय सात रास्ते पर विशाल धरना प्रदर्शन का आयोजन किया गया। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के मध्य प्रदेश के सह प्रभारी संजय कपूर ने कहा उज्जैन महा लोकपाल में हुए भ्रष्टाचार को स्वयं भगवान भोलेनाथ ने उजागर किया है अब प्रदेश की भ्रष्ट भाजपा सरकार को कोई नहीं बचा सकता, मुलपाल में हवा में क्षतिग्रस्त हुई सप्त ऋषि यों की 6 मूर्तियां इस बात की गवाही है कि मध्य प्रदेश में 50 परसेंट वाली कमीशन की सरकार है, जिला प्रभारी एवं तेंदूखेड़ा विधायक संजय शर्मा जी ने कहा सतपुड़ा भवन अग्निकांड भ्रष्टाचार को मिटाने के लिए किया गया है इसके पूर्व 2018 में भी इसी प्रकार से सतपुड़ा भवन में अग्निकांड किया गया था जिससे सबूतों को मिटाया जा सके, जिला कांग्रेस अध्यक्ष पुष्पराज सिंह पटेल जी ने नर्मदा पुरम जिले की चारों विधानसभाओं में व्याप्त घोटाले भ्रष्टाचार एवं कमियों को उजागर करते हुए नर्मदा पुरम के विकास के लिए सरकार बदलने का आह्वान किया जिससे क्षेत्र का समुचित विकास हो सके हो, जिला कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष शिवराज चंद्रोल एवं ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष धर्मेंद्र तिवारी ने कहां नर्मदा पुरम में पिछले 35 वर्षों में किसी भी प्रकार का कोई विकास कार्य यह नहीं किया गया है इस क्षेत्र में शिक्षा के साथ-साथ बेरोजगारी पर ध्यान देना अत्यंत आवश्यक है, महिला कांग्रेस अध्यक्ष संध्या शाह जी ने कहा शिवराज सिंह को पिछले 18 वर्षों में महिलाओं की याद नहीं आई आज प्रदेश महिला अत्याचार में प्रदेश नंबर वन है और वही शिवराज जी प्रदेश की जनता को आज झूठे वादे कर बरगलाने की कोशिश कर रहे हैं,कांग्रेस विचार विभाग के जिला अध्यक्ष भूपेश थापक ने कहा नर्मदापुरम में उपनगरीय क्षेत्र ग्वालटोली का उपयोग भाजपा ने सिर्फ वोटों के लिए किया है पिछले ढाई दशक से इस क्षेत्र को मुख्य शहर से जोड़ने के लिए यहां के विधायक एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि हमेशा से उदासीन रहे हैं और ग्वालटोली उपनगरीय क्षेत्र की जनता निरंतर परेशान हो रही है क्षेत्र को एक ओवर ब्रिज की आवश्यकता अति शीघ्र है जिससे क्षेत्र का समुचित विकास हो सके।। धरना प्रदर्शन में जिले के सभी कांग्रेसन शामिल हुए जिसमें पूर्व विधायक आदरणीय सविता दीवान शर्मा आदरणीय ओमप्रकाश रघुवंशी आदरणीय विजय दुबे काकू भाई, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती राधाबाई एवं सुधीर पटेल जी, पूर्व जिला अध्यक्ष कपिल फौजदार पूर्व जिला अध्यक्ष सत्येंद्र फौजदार जनपद सदस्य हाकम सिंह गुर्जर, चन्द्रगोपाल मलैया विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी सतपाल पलिया रणवीर सिंह पटेल मधुसूदन यादव मोहन झालिया जी, पिछड़ा वर्ग के प्रदेश उपाध्यक्ष अजय सैनी जी, समीर शर्मा राधेश्याम पटेल,बीनू बुधौलिया राजकुमार उपाध्याय, बलवीर चौहान, विकास आर्य, अज़हर खान, कृष्णा चौहान, कुलदीप राठौड़, राकेश शर्मा महेश पांडे फैजान, भूपेश थापक राकेश रघुवंशी सत्यम तिवारी गोल्डी बेस मयूर जयसवाल शैलेंद्र गोयल कमलेश बाथरे सहित आदि अनेक जिले के कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे कार्यक्रम का संचालन कार्यकारी अध्यक्ष शिवराज चंद्रोल और पूर्व अध्यक्ष पंकज राठौर ने किया आभार प्रदर्शन पूर्व अध्यक्ष अजय सैनी ने किया।।

भाजपा पूर्व पार्षद दिव्या वस्तरबर के भाई यतीश बस्तरवार ने कांग्रेस की सदस्यता ली । यतीश भाजपा अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के पदाधिकारी रहे । उन्हें मप्र प्रभारी संजय कपूर, विधायक और जिला प्रभारी संजय शर्मा, जिलाध्यक्ष पुष्पराज पटेल, कार्यकारी जिलाध्यक्ष शिवराज चंद्रोल, नगर कांग्रेस अध्यक्ष धर्मेंद्र तिवारी, इटारसी नगर अध्यक्ष मयूर जैसवाल ने कांग्रेस की सदस्यता दिलाई ।

अब आम बने तस्करी का खास साधन...

आम से भरी बोरियों में गांजा ले जाते दो तस्कर आरोपी करेली पुलिस के हत्थे चढ़े

नरसिंहपुर। पुलिस अधीक्षक नरसिंहपुर अमित कुमार द्वारा जिले में नशीले मादक पदार्थों का क्रय विक्रय/ परिवहन के अवैध कारोबार में संलिप्त अपराधियों एवं वारंटियों की धरपकड़ हेतु जिले में व्यापक स्तर पर कार्यवाही हेतु जिले के समस्त थाना व चौकी प्रभारियों को निर्देश दिए गए हैं। जिसके पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुनील कुमार शिवहरे के निर्देशन एवं एसपीएस बघेल अनु अधिकारी पुलिस नरसिंहपुर के मार्गदर्शन में निरीक्षक आशीष धुर्वे थाना प्रभारी, उप निरीक्षक ओपी शर्मा, उप निरीक्षक सीएस यादव, सहायक उप निरीक्षक संतलाल मरकाम, प्रधान आरक्षक कुलदीप सोमकुंवर, आरक्षक राजेश बागरी, आरक्षक मनोज सिलावट, आरक्षक अजय ठाकुर, सैनिक- रियाज खान की टीम गठित कर दिनांक 23/06/23 को गठित टीम को वारंटी तलाश हेतु सिवनी तरफ रवाना किया गया था। वारंटी की तलाश से हमराह स्टाफ के थाना करेली वापस आते समय डीएम मार्ग के लिए फोरलाइन से मुड़े उसी समय पुलिस को देखकर दो व्यक्ति अचानक से दौड़कर एनएच 44 मे खड़ी महिन्द्रा कैम्पर गाड़ी में बैठकर गाड़ी को तेज गति चलाकर बरमान की तरफ भागे जिससे संदेह होने पर हमराही स्टाफ के साथ पीछा कर उन्हें एनएच 44 पर महज़ कुछ ही दूरी पर रॉकई रोड ओवर ब्रिज के ऊपर कैम्पर गाड़ी जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर सीजी 1839652 को पकड़ लिया। इस कार की ड्राईवर सीट व बाजू वाली सीट मे बैठे दोनों व्यक्तियों से पूछताछ पर ड्राइवर सीट में बैठा व्यक्ति ने अपना नाम कमल सिंह

लोधी पिता खीर सिंह लोधी निवासी उमरिया (चिनकी) थाना कोतवाली जिला नरसिंहपुर एवं बाजू वाली सीट में बैठा व्यक्ति ने अपना नाम प्रहलाद लोधी पिता भैयालाल लोधी निवासी मुरलीपोंडी जिला नरसिंहपुर का रहने वाला बताया। दोनों ने पूछताछ करने पर बताया कि गाड़ी के डाला में रखी आम से भरी 17 बोरियों के बीच एक बोरी में अवैध मादक पदार्थ गांजा के 5 पैकिट रखे हैं। जिसे विधि अनुरूप कार्यवाही संपादित कर तलाशी लेकर बोरी खोलकर देखा गया बोरी में रखी पैकिटों में रखे अवैध मादक पदार्थ की तौल करने पर कुल 22 किलो 300 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा कीमती- 5,75,000/- रुपये का होना पाया गया। आरोपियों ने बरामद मादक पदार्थ उड़ीसा से लाना बताया। आरोपियों का कृत्य अपराध धारा एनडीपीएस एक्ट अंतर्गत दंडनीय पाया जाने से बरामदशुदा अवैध मादक पदार्थ गांजा कुल 22 किलो 300 ग्राम व परिवहन में प्रयुक्त वाहन महिन्द्रा कैम्पर गाड़ी कीमती करीबन 6,00,000/- रुपये, मादक पदार्थ को छिपाने हेतु उपयोग में लाये गये 17 बोरियों में रखे लगभग 6 क्विंटल आम कीमती 15,000/- रुपये विधिवत जम कर कब्जा पुलिस में लिये गये। आरोपीगण कमल सिंह लोधी पिता खीर सिंह लोधी निवासी उमरिया (चिनकी) थाना कोतवाली जिला नरसिंहपुर, प्रहलाद लोधी पिता भैयालाल लोधी निवासी मुरलीपोंडी जिला नरसिंहपुर को विधिवत गिरफ्तार अपराध क्रमांक 8/20, धारा एनडीपीएस 559/2023 पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

बॉलीवुड स्टार वाणी कपूर ने छत्तीसगढ़ के भिलाई और बिलासपुर

रायपुर, एजेंसी। बॉलीवुड स्टार वाणी कपूर की एक झलक पाने के लिए उमड़ी भीड़ के कारण मानो बिलासपुर और भिलाई शहर पूरी तरह थम गए। मौका था कल्याण ज्वैलर्स के दो ब्रांड न्यू शोरूमों के उद्घाटन का। इन दो नए शोरूमों को मिलाकर छत्तीसगढ़ में ब्रांड के शोरूमों की संख्या तीन हो गई है और इस तरह ब्रांड ने छत्तीसगढ़ राज्य में अपनी दमदार मौजूदगी दर्ज करा दी है। नया लॉन्च किया गया शोरूम भिलाई में नेहरू नगर पूर्व में स्थित है, जबकि बिलासपुर में शोरूम अग्रसेन चौक पर स्थित है। अभिनेत्री वाणी कपूर ने इन नए शोरूमों का उद्घाटन किया। बेमिसाल कारीगरी और शानदार डिजाइनों से सजे आभूषणों की एक विस्तृत रेंज के साथ ये नए शोरूम ग्राहकों को खरीदारी का एक शानदार अनुभव प्रदान करेंगे। कंपनी इस क्षेत्र में अपने ब्रांड फुटप्रिंट और अपने कामकाज का लगातार विस्तार कर रही है, ताकि विकास की राह पर आगे बढ़ने में मदद मिल सके और छत्तीसगढ़ में लोगों के लिए ब्रांड तक पहुंचना पहले से अधिक आसान हो सके। उद्घाटन के मौके पर जमा उत्साहित भीड़ को संबोधित करते हुए बॉलीवुड स्टार वाणी कपूर ने कहा, ''मुझे यहां छत्तीसगढ़ में कल्याण ज्वैलर्स के जश्न का हिस्सा बनकर बेहद खुशी हो रही है, जहां हमने भिलाई और बिलासपुर में दो नए शोरूम लॉन्च किए हैं।

आस्क ऑटोमोटिव लिमिटेड ने सेबी के यहाँ डीआरएचपी दाखिल किया

मुंबई, एजेंसी। भारत में दोपहिया के लिए ब्रेक-शू और एडवांस्ड ब्रेकिंग सिस्टम्स के सबसे बड़े निर्माता, आस्क ऑटोमोटिव लिमिटेड (कंपनी) ने बाजार विनियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के साथ अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। कंपनी ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के माध्यम से इक्विटी शेयर पूंजी की पेशकश के जरिए धन जुटाने की योजना बनाई है। पब्लिक ऑफर में 2 रु. अंकित मूल्य के 29,571,390 इक्विटी शेयर्स तक का 'ऑफर फॉर सेल' शामिल है। कुल ऑफर फॉर सेल में कुलदीप सिंह राठी के 20,699,973 इक्विटी शेयर और प्रमोटर सेलिंग शेयरहोल्डर विजय राठी के 8,871,417 इक्विटी शेयर शामिल हैं। कंपनी इन-हाउस डिजाइनिंग और विनिर्माण क्षमताओं के साथ तीन दशकों से अधिक समय से सुरक्षा प्रणालियों और महत्वपूर्ण इंजीनियरिंग समाधानों की आपूर्ति कर रही है। क्रिसिल की रिपोर्ट के अनुसार, दोपहिया, असली उपकरण निर्माताओं, असली उपकरण आपूर्तिकर्ताओं और स्वतंत्र आफ्टरमार्केट के संयुक्त उत्पादन की मात्रा के मामले में वित्त वर्ष 2022 में कंपनी की बाजार हिस्सेदारी लगभग 50 प्रतिशतहै। कंपनी की पेशकश पावरट्रेन एग्नॉस्टिक है, जो इलेक्ट्रिक वाहन के साथ-साथ आंतरिक दहन इंजन ओईएम की जरूरतों को पूरा करती है।

केयर हेल्थ इंश्योरेंस के रूप में पिता को दें देखभाल का उपहार

नई दिल्ली एजेंसी। पिता निस्वार्थ रूप से अपने बच्चों को प्यार करते हैं, अपना सर्वस्व बच्चों पर न्यौछावर कर देता है। ऐसे में बच्चों का भी दायित्व बनता है कि वे हरसंभव तरीके से पिता के प्रति अपना प्यार व्यक्त करें। फादर्स डे आने वाला है। यह सही समय है जब हम अपने पिता को एक विचारशील उपहार दें। एक ऐसा उपहार जो उनकी देखभाल को और बेहतर करने वाला हो। यह सभी जानते हैं कि चिकित्सा पर खर्च बहुत महंगा हो रहा है। स्वास्थ्य से संबंधित अनिश्चितताएं भी काफी फैल गई है। ऐसे में एक बेहतरीन स्वास्थ्य बीमा उत्पाद के साथ अपने पिता की देखभाल सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है। इससे न केवल अप्रत्याशित चिकित्सा खर्चों के खिलाफ चिंता घटती है, बल्कि सर्वश्रेष्ठ, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच भी मिलती है, जिससे हम सभी को चिंता मुक्त जीवन जीने में मदद मिलती है।

क्रोमा में शुरू हो रहा है बैक टू कैंपस सेल

मुंबई, एजेंसी। नए शैक्षणिक साल के शुरू होने के उपलक्ष्य में क्रोमा ने अपना सबसे मशहूर बैक टू कैंपस सेल शुरू किया है। लैपटॉप्स, टैबलेट्स, स्मार्टफोन्स, स्मार्टवॉचेस, हेडफोन्स और इयरफोन्स पर आकर्षक ऑफर्स के साथ क्रोमा का बैक टू कैंपस सेल छात्रों और तकनीक के प्रति उत्साही उपभोक्ताओं के लिए खरीदारी की अतुलनीय खुशी लेकर आता है। एक्सक्लूसिव वाउचर्स और सेल ऑफर्स का लाभ उठाइए और अपनी इच्छाओं को पूरा कीजिए। क्रोमा के बैक टू कैंपस सेल का सबसे बड़ा आकर्षण होती हैं लॅपटॉप्स की डील्स, इसमें हर महीना मात्र 1,412 रुपयों से शुरू होने वाले 350 से ज़्यादा विकल्प उपलब्ध हैं। किफायती लैपटॉप चाहिए या फिर सबसे बेहतरीन परफॉर्मन्स, क्रोमा में आपकी इच्छा और पसंद यक़ीनन पूरी होगी।

भारत की सबसे बड़ी प्राइवेट, वेस्टर्न कैरियर्स लिमिटेड ने सेबी के पास डीआरएचपी फाइल किया

मुंबई, एजेंसी। भारत की सबसे बड़ी प्राइवेट, मल्टी-मॉडल, रेल-केंद्रित, 4पीएल एस्सेट-लाइट लॉजिस्टिक्स कंपनी, वेस्टर्न कैरियर्स (इंडिया) लिमिटेड (वित्त वर्ष 2022 में कंटेनर वॉल्यूम की दृष्टि से) ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए फंड जुटाने के लिए पूंजी बाजार विनियामक, सेबी के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस दाखिल किया है। ड्राफ्ट प्रॉस्पेक्टस के अनुसार, कोलकाता स्थित लॉजिस्टिक कंपनी के आईपीओ में कुल 500 करोड़ रुपये के इक्विटी शेयरों का नया इश्यू और प्रमोटर सेलिंग शेयरहोल्डर राजेंद्र सेठिया के 93,28,995 इक्विटी शेयर ऑफर फॉर सेल शामिल है।वेस्टर्न कैरियर्स ने फ्रेश इश्यू से होने वाली शुद्ध आय में से 200 करोड़ रुपये का उपयोग अपनी बकाया राशि के आंशिक पूर्व-भुगतान या निर्धारित चुकौती के लिए; 186 करोड़ रुपये की राशि का उपयोग पूंजीगत आवश्यकता जैसे वाणिज्यिक वाहनों; 40 फीट के विशेष कंटेनर एवं 20 फीट के सामान्य शिपिंग कंटेनर खरीदने और स्टैकर्स के लिए तथा शेष राशि का उपयोग सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए करने का प्रस्ताव रखा है।

टाटा एआईए वित्त वर्ष 23 में आईडब्ल्यूएनबीपी में शीर्ष 3 प्राइवेट जीवन बीमाकर्ताओं में शामिल

मुंबई, एजेंसी। टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (टाटा एआईए) ने वित्तीय वर्ष 2022-23 में 7,093 करोड़ रुपये की व्यक्तिगत भारित न्यू बिजनेस प्रीमियम आय दर्ज की, जो वित्तीय वर्ष 2021-22 की 4,455 करोड़ रुपये की आय से 59 प्रतिशतअधिक है। इस प्रदर्शन ने कंपनी को आईडब्ल्यूएनबीपी आय में निजी जीवन बीमाकर्ताओं के बीच तीसरा स्थान दिलाया है। वित्त वर्ष की कुल प्रीमियम आय 42 प्रतिशतबढ़कर 20,503 करोड़ रुपये हो गई, जबकि पिछले वर्ष यह 14,445 करोड़रुपये थी। वर्ष के दौरान, शुद्ध लाभ 615 प्रतिशतबढ़कर 506 करोड़ रुपये हो गया जो वित्त वर्ष22 में 71 करोड़ रुपये था। टाटा एआईए लाइफ द्वारा बीमांकित खुदरा बीमा राशि 3,07,804 करोड़ रुपये से बढ़कर 443,479 करोड़ रुपये हो गई है जो वित्त वर्ष22 की तुलना में 44.08 प्रतिशतअधिक है। निजी जीवन बीमाकर्ताओं के बीच, वित्त वर्ष23 में खुदरा बीमा राशि के आधार पर टाटा एआईए की बाजार हिस्सेदारी वित्त वर्ष 22 में 21 प्रतिशतसे बढ़कर 27 प्रतिशतहो गई है। कुल रिन्यूअल प्रीमियम आय में पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 32 प्रतिशतकी वृद्धि हुई और यह 9,086 करोड़ रु. से बढ़कर वित्त वर्ष22 में 11,964 करोड़रु. हो गई।

कितने पीछे है हम, फार्मा शोध में ....

-राकेश दुबे

जनसंख्या के मान से भारत विश्व में नम्बर एक होने जा रहा है, उसी अनुपात में भारत को दवा भी लगेगी। आकार के मामले में भारत 10 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ दुनिया में तीसरे स्थान पर हैं लेकिन 42 अरब डॉलर की बिक्री के साथ मूल्य में भारत 14वें स्थान पर हैं और हिस्सेदारी केवल 1.5 प्रतिशत है। भारत में शोध एवं विकास में वैश्विक स्तर का निवेश हो सकता हैं।

यह टिप्पणी उन जानकारियों का नतीजा है जो फार्मा सेक्टर में शोध को लेकर बंद दरवाजों के पीछे हुई एक बैठक में निकलीं। इस बैठक में फार्मा उद्योग के कुछ सर्वाधिक जानकार लोग, विद्वान व सरकार के लोग आदि शामिल थे। इसका आयोजन सेंटर फॉर टेक्नॉलजी इनोवेशन ऐंड इकनॉमिक रिसर्च तथा अनंत सेंटर ने किया था।

50 वर्ष पहले जहां भारत विदेशी कंपनियों और ब्रांड पर निर्भर था , वहीं अब भारत ने एक बड़ा और जीवंत फार्मा सेक्टर तैयार किया है जहां उद्यमिता शक्ति से भरपूर भारतीय कारोबारी बहुराष्ट्रीय कंपनियों का मुकाबला कर रहे हैं। फार्मा उद्योग की आकांक्षा 2030 तक अपना आकार तीन गुना करने की है। इसमें शोध का योगदान होगा, परंतु इसके लिए पूरी व्यवस्था बनानी होगी। शुरुआत शोध एवं विकास में निवेश से होगी। अमेरिका, जापान, जर्मनी, स्विट्जरलैंड और ब्रिटेन में बड़ी-बड़ी फार्मास्युटिकल कंपनियां हैं। इन सभी ने शोध एवं विकास में अरबों डॉलर का निवेश किया है।

इनमें स्विट्जरलैंड की रॉश और नोवार्टिस, अमेरिका की जेऐंडजे, फाइजर, ब्रिस्टल-मायर्स, मर्क और इलाई लिली, ब्रिटेन की ऐस्ट्राजेनेका और जीएसके, जर्मनी की बेयर, बोरिंगर और मर्क डी, जापान की ताकेदा, दाइची, एस्टेल्लास, ओत्सुका और एईसाई शामिल हैं । सवाल यह है भारत को उनकी बराबरी के लिए क्या करना चाहिए? ये कंपनियां भारत टॉप पांच फार्मा कंपनियों के कुल टर्नओवर से अधिक राशि तो अपने शोध एवं विकास पर व्यय करती हैं। भारतीय कंपनियों को कम से कम 10 वर्षों तक शोध एवं निवेश व्यय बढ़ाना होगा।शोध एवं विकास पर व्यय करने वाली टॉप कंपनियों से यह कहा जाना चाहिए कि वे इस सेक्टर में निवेश बढ़ाएं। अगले 10 वर्षों तक शोध एवं विकास व्यय में इजाफे के मामले में आय कर पर कर छूट दी जानी चाहिए।

इसे क्या कहें, कई वजहों से भारतीय औषधि निर्माताओं को पहले चरण के परीक्षण भारत के बजाय ऑस्ट्रेलिया में करने पड़ रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया में इसकी लागत 10 गुना तक अधिक होती है लेकिन वहां प्रक्रिया व्यवस्थित, पारदर्शी और सुनिश्चित है। अगर हम नियामकीय व्यवस्था में सुधार करें तो हमें औषधि निर्माण में प्रतिस्पर्धी बढ़त मिल सकती है।

भारत अपने सकल घरेलू उत्पाद का करीब 0.4 प्रतिशत सार्वजनिक फंडिंग वाले शोध एवं विकास में खर्च करता है जो वैश्विक औसत का 0.5 प्रतिशत है, परंतु इस निवेश का बहुत कम प्रतिफल मिलता है। समस्या यह नहीं है कि भारत कितना व्यय करता हैं बल्कि दिक्कत यह है कि देश कहां खर्च करता हैं। राष्ट्रीय शोध एवं विकास व्यय का आधा से अधिक हिस्सा सरकार अपनी स्वचालित प्रयोगशालाओं में व्यय करती है। सबसे अधिक व्यय रक्षा पर उसके बाद परमाणु ऊर्जा, और कृषि पर व्यय होता है। स्वास्थ्य शोध छठे स्थान पर है और शोध एवं विकास पर होने वाले सरकारी व्यय का छह प्रतिशत उस पर खर्च किया जाता है।अमेरिका में स्वास्थ्य क्षेत्र का शोध रक्षा के ठीक बाद आता है और सकार शोध विकास व्यय का 27 प्रतिशत हिस्सा उस पर खर्च करती है। ब्रिटेन में यह 20 प्रतिशत है। मजबूत आंतरिक व्यय से ही इस क्षेत्र में बात बन सकती है। सरकारी शोध एवं विकास व्यय का बड़ा हिस्सा स्वास्थ्य पर खर्च करने से इसलिए भी लाभ होगा क्योंकि फार्मा उद्योग में गहन शोध एवं विकास होता है।

तमाम ऐतिहासिक कारणों से हमारे अधिकांश सार्वजनिक शोध स्वायत्त सरकारी प्रयोगशालाओं में होता है। जबकि तमाम अन्य देश सरकारी विश्वविद्यालयो में शोध करते हैं। अगर हम उच्च शिक्षा में सार्वजनिक शोध पर बल दें तो हम बेहतर प्रतिभाएं तैयार कर पाएंगे।

भारत के फार्मा उद्योग को इनोवेशन में अग्रणी बनाने का प्रयास होना चाहिए।नियामकीय ढांचे में बदलाव लाकर चिकित्सकीय परीक्षणों का मार्ग सहज किया जा सकता है और स्वास्थ्य से जुड़े शोध के क्षेत्र में सरकारी निवेश बढ़ाने से भी हालात में सुधार होगा। आज से 10 वर्ष बाद हमारे फार्मा उद्योग का बदला हुआ इनोवेशन भारतीय उद्योग को दिशा दिखा सकता है।

न्यूमार्केट में व्यापारियों के नए संगठन न्यूमार्केट व्यापारी संघ के अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता ने बड़ी संख्या में व्यापारियों के साथ जाकर पूर्व मंत्री श्री उमाशंकर गुप्ता जी को जन्मदिन पर पुष्पगुच्छ भेंट कर शुभकामनाएं दीं

रोजगार देने में भी नंबर वन है टाटा ग्रुप, इस कंपनी में काम करते हैं सबसे ज्यादा कर्मचारी

नई दिल्ली, एजेंसी। क्या आप जानते हैं कि भारत में सबसे ज्यादा कर्मचारी किस कंपनी में काम करते हैं? इसका जवाब है टीसीएस। टाटा ग्रुप की यह कंपनी देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी है और मार्केट कैप के हिसाब से मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज के बाद दूसरे नंबर पर है। हुरुन रिसर्च के मुताबिक टीसीएस के कुल कर्मचारियों की संख्या 5.92 लाख है। यह कर्मचारियों के लिहाज से देश की सबसे बड़ी कंपनी है। वैसे देश में कर्मचारियों के हिसाब से टॉप 10 में शामिल कंपनियों में चार आईटी सेक्टर की हैं। इनमें टीसीएस के अलावा इन्फोसिस , विप्रो और एचसीएल टेक्नोलॉजीज शामिल है। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर बेंगलुरु की बिजनस सर्विस प्रोवाइडर कंपनी क्वेस कॉरपोरेशन का है। इस कंपनी का कारोबार कई देशों में फैला है और इसमें 4.27 लाख कर्मचारी काम करते हैं। मार्केट कैप के लिहाज से देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज में 3.40 लाख कर्मचारी काम करते हैं। कर्मचारियों के हिसाब से यह देश की तीसरी सबसे बड़ी कंपनी है। आईटी कंपनी इन्फोसिस के कर्मचारियों की संख्या 3.14 लाख है। इस कंपनी का मुख्यालय बेंगलुरु में है और इसका कारोबार भी कई देशों में फैला है। इसे एन नारायणमूर्ति और उनके साथियों ने शुरू किया था।

गोदरेज एग्रोवेट मना रहा है अपने बायोस्टिमुलेंट 'डबल' की 25वीं वर्षगाँठ

होशंगाबाद। गोदरेजएग्रोवेट लिमिटेड (जीएवीएल) के क्रॉपप्रोटेक्शनबिजनेस ने आज घोषणा की कि इसके बायोस्टिमुलेंट, 'डबल' ने भारतीय किसानों के लिए बेहतर उपज को सक्षम करने के 25 साल पूरे कर लिए हैं। डबल ने लगभग 3 करोड़ एकड़ भारतीय कृषि भूमि का उपचार किया है और पिछले 25 वर्षों में लगभग 2 करोड़ कृषक परिवारों के जीवन में समृद्धि लाई है। कंपनी ने डबल के 25 साल पूरे होने और किसानों को नकली उत्पादों से बचाने के अलावा बेहतर खेती के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए एक विशेषपैक भी लॉन्च किया। डबल का नया पैक उपयोगकर्ता के अनुकूल है और यह सुरक्षित पैकेजिंग बोतल में आता है। इसमें एक टैम्पर-एविडेंट सील है जो बोतल को खोलने की कोशिश करने पर फट जाती है और गिर जाती है। नकलीपन से बचने के लिए लेबल में जटिल वॉटरमार्क हैं। और बोतल परहोलोग्राम भी है ड्रूजो विशिष्ट 9-अंक के कोड के रूप में है। यह प्रत्येक बोतल पर मौजूद है ताकि प्रामाणिकता सुनिश्चित हो सके।जहाँहोलोग्राम में ग्राहक को आश्वस्त करने के लिए स्मार्ट तरीके से त्न अक्षर भी डाला गया है कि उत्पाद वास्तविक है, वहीं नेत्रहीनों के लिए बोतल की नेक पर ब्रेल लिपि में डेंजरअंकित किया गया है। डबलएक बायोस्टिमुलेंट है जो किकपास, सोयाबीन, मूंगफली और सब्जी (टमाटर) की फसलों में फूलों और फलों का झड़ना कम करता है। फूलों और फलों के गिरने के चलते किसानों की 15प्रतिशत-25प्रतिशत तक उपज प्रभावित होती है।

Micron to create 20,000 jobs in India in Semiconductor Industry

Micron's new facility will enable assembly and test manufacturing for both DRAM and NAND products and address demand from domestic and international markets.

Phased construction of the new assembly and test facility in Gujarat is expected to begin in 2023. Phase 1, which will include 500,000 square feet of planned cleanroom space, will start to become operational in late 2024, and Micron will ramp capacity gradually over time in line with global demand trends.

Micron expects Phase 2 of the project, which would include construction of a facility similar in scale to Phase 1, to start towards the second half of the decade.

Micron's investment will be up to $825 million over the two phases of the project and will create up to 5,000 new direct Micron jobs and 15,000 community jobs over the next several years.

Under the government's "Modified Assembly, Testing, Marking, and Packaging (ATMP) Scheme," Micron will receive 50% fiscal support for the total project cost from the Indian central government and incentives representing 20% of the total project cost from the state of Gujarat.

The combined investment by Micron and the two government entities over the course of both phases will be up to $2.75 billion. Government support will help fund the project and facilitate access to essential semiconductor infrastructure and resources to drive innovation and enhance local talent development.

"We are excited about the steps India is taking to develop the local semiconductor ecosystem," said Micron President and CEO Sanjay Mehrotra.

"I am grateful to the Indian government and all of the officials involved that made this investment possible. Our new assembly and test location in India will enable Micron to expand our global manufacturing base and better serve our customers in India and around the world", Sanjay Mehrotra added.

Micron's plans are part of the company's strategy to meet expected long-term demand for memory and storage across markets and complement the company's

global assembly and test network.

"Micron's investment to set up assembly and test manufacturing in India will fundamentally transform India's semiconductor landscape and generate tens of thousands of high-tech and construction jobs," said Union Cabinet Minister for Railways, Communications, Electronics and IT Shri Ashwini Vaishnaw.

"This investment will be a crucial building block in the country's blossoming semiconductor ecosystem", Ashwini Vaishnaw added.

Micron selected the state of Gujarat due to its manufacturing infrastructure, conducive business environment, and well-established talent pipeline in the SANAND Industrial Park (Gujarat Industrial Development Corporation – GIDC).

"After more than a year of discussions with Indian government officials, spearheaded by the India Semiconductor Mission and the state of Gujarat, Micron is pleased to bring its industry-leading assembly and test capabilities to be a part of this transformation in India's semiconductor industry," said Micron's Senior Vice President of Global Assembly and Test Operations Gursharan Singh.

Micron's new facility will focus on transforming wafers into ball grid array (BGA) integrated circuit packages, memory modules, and solid-state drives.

Micron will build and operate the assembly and test facility in accordance with the company's sustainability goals and in line with local and global environmental commitments. Micron is committed to designing and building the facility to meet or exceed Leadership in Energy and Environmental Design (LEED) Gold standards. Additionally, the facility will use advanced water-saving technologies to enable Zero Liquid Discharge.

Micron was named one of the 2022 World's Most Ethical Companies, awarded an Ecovadis Sustainability Platinum medal (top 1%), and was recognized as one of Newsweek America's Most Responsible Companies.

In India, Micron was a Silver winner of the India Workplace Equality Index (IWEI) 2022, won the Data Engineering Award for Data Engineering Transformation, and was the recipient of two DivHERsity 2023 Awards (Top 20 Most Innovative Practices in Women Leadership and Development; Top 3 companies in the Electrical, Electronics, and Semiconductor Industry).

किसानों को कोदों, कुटकी, रागी व मक्का के उन्नत बीज निःशुल्क वितरित

आदिवासी किसानों को दी गई मिलेट्स फसलों की तकनीकी जानकारी

छिन्दवाड़ा। छिंदवाड़ा ज़िले के आदिवासी विकासखंड तामिया के पातालकोट क्षेत्र के आदिवासी अंचल की ग्राम पंचायत घटलिंगा और गुढ़ीछतरी में आदिवासी किसानों को मिलेट्स फ़सलों की तकनीकी जानकारी दी गई और कोदो, कुटकी, रागी व मक्का के उन्नत बीज नि:शुल्क वितरित किये गये। साथ ही प्राकृतिक खेती को अपनाने के लिये किसानों को प्रेरित किया गया । कार्यक्रम में उप संचालक कृषि जितेन्द्र कुमार सिंह, उद्यानिकी महाविद्यालय के डीन व आंचलिक कृषि अनुसंधान केन्द्र चंदनगांव के सह संचालक डॉ.विजय पराड़कर, एसडीओ कृषि श्री प्रमोद उट्टी, कृषि विज्ञान केन्द्र देलाखारी के कृषि वैज्ञानिक डॉ.एस.के.अहिरवार, एस.ए.डी.ओ. बी.एल.धुर्वे, बी.टी.एम. सुश्री एकता बेलबंशी, एटीएम श्री रोहित डेहरिया, आर.ए.ई.ओ. गणेश कासदे, ग्राम पंचायत की सरपंच, पंच, बायर कंपनी के रजत साँगले व कावेरी सीड्स के श्री प्रशांत वर्मा सहित क्षेत्र के किसान उपस्थित थे।

भारतीय जनता युवा मोर्चा के तत्वावधान में निकली विशाल वाहन रैली

छिंदवाड़ा। भारतीय जनता युवा मोर्चा के तत्वधान में आज विशाल वाहन रैली निकाली गई। वाहन रैली में सैकड़ों युवाओ एवं महिला नेत्रियों ने हिस्सा लिया। वाहन रैली का शुभारंभ भाजपा कार्यालय से हुआ। जानकारी में भाजपा युवा मोर्चा अध्यक्ष बिट्टू मंडराह एवं अनुज मल्होत्रा ने बताया कि केन्द्र सरकार के सेवा, सुषासन और गरीब कल्याण के 9 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा युवा मोर्चा ने विशाल वाहन रैली निकली है। रैली में भाजपा जिलाध्यक्ष विवेक बंटी साहू, वरिष्ठ नेताओं, युवा मोर्चा पदाधिकारियों, सदस्यों एवं कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे। विशाल वाहन रैली भाजपा कार्यालय से प्रारंभ होकर लालबाग, नरसिंहपुर नाका, गंज, रेलवे स्टेशन, तिलक चौक, पावर हाउस, छोटी बाजार, छापाखाना, राजपाल चौक, ईएलसी, पोलाग्राउंड, फव्वारा चौक, जेल तिराहा, सत्कार होते हुए महाराणा प्रताप चौक गुलाबरा पहुँची जहां वाहन रैली का समापन हुआ।

ईदुज्जुहा पर्व शांति व सद्भावनापूर्वक मनाये

शांति समिति की बैठक आज

छिन्दवाड़ा। जिले में आगामी 29 जून को ईदुज्जुहा पर्व शांति व सद्भावनापूर्वक मनाये जाने की दृष्टि से विचार-विमर्श के लिये 26 जून को शाम 4 बजे से कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया है। इस संबंध में समिति के सभी सदस्यों से बैठक में उपस्थिति का अनुरोध किया गया है।

28 कोसामान्य सभा की बैठक

छिन्दवाड़ा। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री पार्थ जैसवाल ने बताया कि आगामी 28 जून को दोपहर एक बजे से कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक का आयोजन किया गया है। उन्होंने जिला पंचायत अध्यक्ष व उपाध्यक्ष, क्षेत्रीय सांसद, जिले के विधायकगण, जिला पंचायत सदस्यों और अध्यक्ष जनपद पंचायतों के साथ ही संबंधित अधिकारियों से बैठक में उपस्थित रहने का अनुरोध किया है।

जिले में 43.7 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

छिन्दवाड़ा। जिले में अभी तक 43.7 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई है, जबकि गत वर्ष इस अवधि तक 123.8 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई थी। जिले में 25 जून को प्रात: 8 बजे समाप्त 24 घंटों के दौरान 8.5 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि 25 जून को प्रात:8 बजे समाप्त 24 घंटों के दौरान तहसील छिन्दवाड़ा में 11.6, मोहखेड़ में 12.2, चौरई में 56, बिछुआ में 15.4, परासिया में 2.1 और चांद में 13 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि जिले में एक जून से अभी तक तहसील छिन्दवाड़ा में 26, मोहखेड़ में 46.9, तामिया में 41, अमरवाड़ा में 20, चौरई में 79.9, हर्रई में 170.4, सौंसर में 21.1, पांढुर्णा में 23.4, बिछुआ में 53.4, परासिया में 13.2, जुन्नारदेव में 14.6, चांद में 50.1 और उमरेठ में 7.4 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है।

वीरांगना रानी दुर्गावती को दी श्रद्धांजलि

छिंदवाड़ा। जय जवान युवा सेना एवं पूर्व सैनिक परिषद ने रानी दुर्गावती के पुण्यतिथि दिवस पर आज माल्यार्पण कर दो मिनट का मौन धारण करके श्रद्धांजलि अर्पित की। रानी दुर्गावती अमर रहे के नारे लगाये गये।उनके बलिदान को याद करते हुए परिषद के अध्यक्ष सेवानिवृत सूबेदार मोहन घंगारे ने उनकी वीरता की गाथा युवाओं को बताया। साथ ही बताया की मुगल हमारे राजाओं की आपसी फुटता का फायदा उठाकर राज करते थे। अतः हम सभी लोगों ने जाती वाद, धर्म वाद, पार्टी वाद, से ऊपर उठकर राष्ट्रवाद पर चलना है। हम सब एक रहेंगे तो देश सुरक्षित एवं तेजी से विकास करेगा। इस अवसर पर परिषद के उपाध्यक्ष सूबेदार मेजर सुभाष साहू, एवं जय जवान युवा सेना से श्री सौरभ कवरेती, श्री मिथुन धुर्वे, श्री प्रवीण घागरे, श्री सोनू अटकोम, श्री प्रदीप वर्मा, एवं सैकड़ो बालक एवं बालिकाएं उपस्थित रहे।

विनेकी में कुआ को लेकर विवाद

अमरवाड़ा। थाना अंतर्गत ग्राम विनेकी में कुआं के विवाद को लेकर चाचा ने भतीजे को गाली गुप्ता कर जान से मार देने की धमकी प्रकरण इस प्रकार बताया जाता है कि कृष्ण कुमार अपने खेत के कुएं के पास खड़ा था तभी उसका चाचा लेख राम चंद्रवंशी आया और गंदी गंदी गाली देकर बोला की कुआं मेरा है तो इसका उपयोग नहीं कर सकता गाली का विरोध करने पर लेख राम लाठी लेकर मारने दौड़ा और बोला दोबारा कुए के पास दिखा तो जान से खत्म कर दूंगा कृष्ण कुमार भागकर थाना आया और रिपोर्ट किया जिस पर सहायक उपनिरीक्षक केके बघेल ने प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया

किराये के मकान में क्यों आंगनवाड़ी और राशन दुकान: मोनिका बट्टी

अमरवाड़ा। विधानसभा के ग्राम पंचायत अकल मां में आजादी के 75 साल बाद भी किसानों को सैकड़ों मीटर दूर खाद बीज के लिए जाना पड़ रहा है और बच्चों के आंगनवाड़ी केंद्र किराए के कच्चे मकान संचालित किए जा रहे हैं राशन विक्रेता की दुकान भी किराए के मकान से संचालित है वर्तमान में सरपंच ममलेश मराफे जी के 1 वर्ष पूर्ण हुए इसके बाद भी मध्यप्रदेश शासन ने शासकीय भवन का निर्माण नहीं किया और बार-बार प्रस्ताव देने के बाद भी आज तक ग्राम पंचायत में कोई आवंटन नहीं आया है ओर और सरपंच के द्वारा एक जर्जर मकान किराए में लेकर मजबूरी में ?1000 महीने के हिसाब से आंगनवाड़ी भवन संचालित करना पड़ रहा है इससे ग्राम के सरपंच शासन प्रशासन से नाराजगी जाहिर की जिससे ग्रामीण को काफी समस्या का सामना करना पड़ रहा है और मजबूरी में आंगनवाड़ी केंद्र दीवान गांव किराए के कच्चे में जर्जर मकान में संचालित हो रहा है जिससे 2 से 3 साल के बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं इसे शासन प्रशासन तत्काल संज्ञान में लेकर उचित भवन की व्यवस्था करें क्योंकि वर्तमान में बारिश का समय है और वर्तमान में बारिश का समय है मध्यप्रदेश शासन एक से एक योजना आदिवासियों के बीच में ला रही है लेकिन ग्रामीण अंचलों में धरातल पर आज भी वह लागू नहीं है जिससे वर्तमान सरपंच ममलेश मराफे जी का कहना है प्रशासन या वर्तमान विधायक हमारे कार्य नही कर रहे है जिसकी आवाज मोनिका मनमोहन शाह बट्टी ने उठाई है जिससे लेकर अपने कार्यकर्ताओं को भेजा एवं जानकारी मंगाई जिसे लेकर संदीप धुर्वे अनिल उईके प्रेम धुर्वे नितेश भलावी गए। जिस की जानकारी संबंधित ग्राम के ग्राम वासियों ने दिए इनमें से इंदरजीत कुडोपा मोइलन इरपची श्यामकुमारी परतेती कलीराम वाडीवा रामाधार परतेती शुखरचन्द उईके ग्राम पंचायत कलमा के दीवान गांव के लोगों ने जानकारी बताते हुए प्रशासन से नाराजगी जताई है

परिवहन जाँच दल द्वारा जांच के दौरान वाहनों से वसूले जुर्माना, शमन शुल्क

छिन्दवाड़ा। परिवहन आयुक्त द्वारा दिये गये निर्देशों के परिपालन में परिवहन विभाग द्वारा आज अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्री मनोज कुमार तेहनगुरिया के मार्गदर्शन में परिवहन जाँच दल द्वारा छिंदवाड़ा शहर के विभिन्न मार्गों सहित नरसिंगपुर-अमरवाड़ा पर पहुंचकर स्कूल बसों सहित सभी बसों की बारीकी से जाँच की गईं जिसमें शहर में संचालित स्कूल बसों को सुप्रीम कोर्ट की गाइड लाइन के अनुसार रोड पर संचालित बसों को एवं स्कूलों मे पहुंचकर वाहनों की पूर्णत: पेपर सहित फिटनेस की जाँच की गईं । साथ ही शहर के विभिन्न मार्गों सहित नरसिंगपुर-अमरवाड़ा पर संचालित बसों के संचालकों द्वारा यात्रियों से बलपूर्वक अधिक किराया लेने और क्षमता से अधिक सवारी बसों मे बैठाये जाने सहित वाहनों में किराया सूची नहीं लगी पाये जाने की मिल रही शिकायतों और सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों को देखते हुए परिवहन जाँच दल द्वारा शहर के मार्ग पर सवारी बसों की फिटनेस संबंधी बारीकी से जाँच की गई जो आने वाले समय में भी निरंतर जारी रहेगी एवं जिस वाहन में कुछ विशेष खामियां पाई जायेगी तो ऐसे वाहनों को यथा स्थान सवारी खाली करवाकर उस सवारी वाहन का तत्काल फिटनेस निरस्त किया जायेगा। अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्री तेहनगुरिया ने बताया कि जिन वाहनों में मध्यप्रदेश मोटर यान अधिनियम का उल्लंघन पाया गया उन वाहन संचालकों पर तत्काल चालानी कार्यवाही करते हुए 3 वाहनों पर तत्काल चालानी कार्यवाही करते हुये 5 हजार रूपये का जुर्माना लिया गया और एक अन्य जिले से छिंदवाड़ा मार्ग पर संचालित एक यात्री बस बिना परमिट बारात ले जाते संचालित पाये जाने पर यात्री बस को जप्त कर पर हर्रई पुलिस थाने में सुरक्षार्थ खड़ा करवाया गया । साथ ही अन्य बस संचालकों को समझाईश दी गई।

देर शाम को हुई झमाझम बारिश, सड़कें हुई तरबतर

छिंदवाड़ा। मानसून की वर्षा में लगभग शाम को नगर तेज बारिश हुई जिससे शहर की सड़कों में जमकर पानी भरा, नालियां साफ न होने के कारण पानी सड़कों पर भरा रहा, जो बाद में धीरे-धीरे नलियों में गया। फव्वारा चौक से लेकर बस स्टेण्ड तक सड़कों पर जमकर पानी जमा हुआ जिससे आवागमन में लोगों परेशानी हुई। झमाझम बारिश होने से गर्मी से थोड़ी रहात मिली।

नपा अध्यक्ष ने सफाई के दिये निर्देश

अमरवाड़ा। नगरपालिका अध्यक्ष प्रीति नितिन तिवारी एवं पार्षदों की उपस्थिति में सफाई कर्मचारियों की समीक्षा बैठक कर सफाई व्यवस्था की समीक्षा की गयी। लापरवाह कर्मचारियों को नगरपालिका अध्यक्ष ने समय पर कार्य स्थल पर उपस्थित रहने और पार्षदों से चर्चा कर सफाई व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए । नगरपालिका अध्यक्ष द्वारा निर्माण कार्यो का मौके पर जाकर निरीक्षण किया गया ड्ड वार्ड नं 2 में सी सी रोड निर्माण, वार्ड नं 13 में नाला निर्माण, वार्ड नं 9 नाली निर्माण,वार्ड 15 में किशनटोला रोड निर्माण का निरीक्षण किया इस अवसर पर नगरपालिका उपाध्यक्ष प्रकाश ठाकुर, सभापति आरिफ शाह, पार्षद सुशीला शर्मा, अर्पित श्रीवास्तव, राजकुमार बरकडे, सीएमओ रोशन सिंह बाथम, आदि उपस्थित थे।
फाई दरोगा मुकेश कहार, अजय यादव उपस्थित रहे ।

कांग्रेस सेवादल द्वारा शहीद स्मारक पर झंडावंदन किया

छिन्दवाड़ा- जिला कांग्रेस सेवादल के अध्यक्ष सुरेश कपाले ने बताया कि मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के निर्देशानुसार माह केअंतिम रविवार को शहीदों को याद करने के उद्देश्य से झंडावंदन किया जाता है उसी परंपरा को निभाते हुये कांग्रेस सेवादल द्वारा शहीद स्मारक पर मुख्य अतिथि नगर निगम के अपीलीय समिति के सदस्य एवं कांग्रेस सेवादल के उपाध्यक्ष वार्ड नं.33 के पार्षद चंदू ठाकरे द्वारा झंडावंदन किया गया। इस अवसर पर कपाले ने बताया कि झंडा वंदन का मूल उद्देश्य है समाज में देशभक्ति की भावना को जागृत करने एवं जिन्होंने स्वतंत्रता की लड़ाई में अपने को बलिदान कर दिया उन शहीदों को याद किया जाता है और यह परंपरा कांग्रेस सेवादल द्वारा 1919 में महात्मा गांधी के निर्देश से प्रारंभ की गयी थी जो आज भी प्रारंभ है इस अवसर पर कांग्रेस सेवादल के निम्न पदाधिकारी उपस्थित जिसमें राकेश मरकाम,दीपक वाजपेई, ध्वजप्रभारी शेषराव उइके,नगर अध्यक्ष बलराम सिंह चैहान,अखिलेश पवार,मुन्ना धुर्वे,कमलेश वाडिवा ,डॉ.यास्मीन खान,प्रशांत खडतकर ,निर्मला पहाड़े, सोनम बुनकर, समीक्षा बुल बारसकर, अनिता धुर्वे,रानी भलावी, अनीसा भलावी, पावती कुशराम,सोनिया भलावी, सीता, श्रुति मरकाम, क्रांति पन्द्राम, संध्या भलावी, आदि प्रमुख उपस्थित थे।

महिलाओं पर अत्याचार, बढ़ते पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस के दाम को लेकर सौंपा ज्ञापन

अमरवाड़ा। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के निर्देश पर महामहिम राज्यपाल के नाम अमरवाड़ा कांग्रेस कमेटी द्वारा तहसीलदार महोदय को ज्ञापन सौंपा गया।जिसमें मध्य प्रदेश सरकार द्वारा किए गए भ्रष्टाचार जैसे1.उज्जैन महाकाल लोक में आंधी तूफान से भारी भ्रष्टाचार एवं घोटालों से निर्मित सप्तऋषियों की मूर्तियां टूटना एवं मंदिर में घटिया निर्माण ।2.सतपुड़ा भवन में आग लगने के कारण महत्वपूर्ण दस्तावेज एवं फर्नीचर का जलना, इस अग्निकांड की निष्पक्ष न्यायिक जांच की मांग। 3.महंगाई से आमजन की असुविधा, महिलाओं पर अत्याचार,बढ़ते पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस के दाम, 4.बेरोजगारी एवं सरकार द्वारा दी जाने वाली लोकलुभावन योजना जिसमें पिछले कई महीनों से पैसा नहीं डाला गया और आमजन को परेशान किया गया।इस अवसर पर सरजूदास वैष्णव, अशोक तिवारी, पर्यवेक्षक आनंद राजपूत, इब्नेहशन रिजवी, अभिषेक वर्मा, चम्पालाल कुर्चे, दीपक नेमा, रामेश्वरउईके, विनोद चौरसिया, सलीम खान, सुरेश साहू,शैलेंद्र जैन, हरिओम पटेल, संतोष डेहरीया, राजेश अहरवार, राजकुमार बरकड़े, अर्पित लाला, गीता विश्वकर्मा, राकेश ठाकुर, बबलू नेमा, राजाराम वंशकार, सुनील जैन, रज्जू ग्रीन, इस्लाम मंसूरी, जगपाल उईके, रफीक मंसूरी, गनपत टेकाम, मदन राठौर, शरद सेन, महेश विश्वकर्मा, बुद्धलाल वर्मा, सुखराम उईके, वंशीलाल सहित कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एक वर्ष में तैयार होगा श्री बड़ी माता मंदिर

छिंदवाड़ा। जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी श्री अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के हस्ते श्री बड़ी माता मंदिर के निर्माण का भूमि पूजन हुआ था उन्होंने मंच से निर्देशित किया था कि 1 वर्ष में मंदिर बनाना है जिसे सभी बड़ी माता के भक्तों ने शिरोधार्य किया 25 मई से लगातार निरंतर 24 घंटे श्री बड़ी माता मंदिर का निर्माण कार्य चल रहा है अगर इसी गति से कार्य चलता रहा तो 1 वर्ष में मंदिर बनकर तैयार हो जाएगा और सभी माता भक्तों से निवेदन है कि कृपया धन की कमी ना आने दे ,आपका जो भी सामर्थ है दोनों हाथ खोल कर खुले हस्त से मंदिर निर्माण के लिए दान करें आपका यह दान हजारों हजारों साल तक रहने वाले मंदिर के निर्माण के लिए है।

मेड पर पत्थर रखने के आरोप पर पिता पुत्र ने कर दी महिला की पिटाई

अमरवाड़ा। अमरवाड़ा थाना अंतर्गत ग्राम चंदन गांव की रहने वाली सिद्धाबाई बर्मा जब अपने खेत में मिल के पास मक्का बोल रही थी तभी गांव के गुलेश एवं जीएन ने मिलकर महिला को गंदी गंदी गाली देकर बोले हमारे मेल पर पत्थर क्यों रखी हो तभी महिला बोली हमने पत्थर नहीं रखे तुम गाली क्यों दे रहे हो इसी बात को लेकर गुलेश ने महिला की गर्दन पकड़ कर हाथ मक्के से मारपीट किया महिला को बचाने उसका लड़का राजू आया तो जियान और गुलेश राजू की गाली देते हुए पिटाई कर दी और बोले कि दोबारा हमारे खेत के पास दिखे तो जान से खत्म कर देंगे घटना की रिपोर्ट करने पर प्रकरण पंजीबद्ध कर जांच में लिया गया

भाजपा नेता की अश्लील हरकतों के विरोध में उतरी गुलाबी गैंग

नेताजी का नाबालिग छात्राओं के साथ वायरल वीडियो

छिन्दवाड़ा। शोसल मीडिया पर विगत दिनों एक वीडियो जमकर वायरल हो रहा है जिस पर संज्ञान लेते हुए गुलाबी गैंग ने सिटी कोतवाली में शिकायत करते हुए f.i.r. की मांग की। छिंदवाड़ा में आयोजित पत्रकार वार्ता में पूर्णिमा वर्मा गुलाबी गैंग कमांडर म.प्र., छ.ग. प्रभारी सम्पूर्ण महाराष्ट्र ने बताया कि अपनी नैतिक जिम्मेदारी के साथ पिछड़े वर्ग आयोग के अध्यक्ष गोरीशंकर बिसेन के द्वारा किये गये घृणित कार्य की कड़ी निंदा करती हूँ जो कि पूरे देश में शोसल मिडिया के माध्यम से सर्वविदित है, 2 दिन पूर्व भारतीय जनता पार्टी के आयोजित कार्यक्रम विधान सभा क्षेत्र बालाघाट में पिछड़ा वर्ग आयोग की अध्यक्ष भाजपा राजनैतिक दल के सदस्य गौरी शंकर बिसेन के द्वारा नाबालिक छात्रा के साथ शर्मनाक हरकत की गई।

कुंडीपुरा पुलिस की जुए के अड्डे पर रेड,

सांई होटल में जुआ खेल रहे जुआरियों से एक लाख 37 हजार जब्त

छिंदवाड़ा। कुंडीपुरा पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि सिवनी रोड पर साई होटल में कुछ लोग जुआ खेल रहें है...कुंडीपुरा थाने के प्रभारी महेंद्र भगत ने तत्काल अपनी टीम तैय्यार की और रेड डालने की रणनीति बनाई। कुंडीपुरा पुलिस स्टाफ के द्वारा होटल में रेड की गई और बेगम-बादशाह-गुलाम के पत्तो पर दांव लगाते हुए जुआरियों के होश उड़ गए। होटल के बंद कमरे में 4 लोग जुआ खेलते हुए मिले, जिनके कब्जे से 103710 रुपए जप्त किए गए। जुआ खेलने वालों ने अपना नाम 1.महेश पिता कासीराम चौरडिया खजरी ,2. दिनेश साहू वार्ड ठ्ठश 1 अमरावडा 3. नितिन ठाकुर निवासी चांद रोड छिंदवाड़ा,4. विनोद वर्मा निवासी अमरवाडा होना बताए सभी के विरूद 13 जुआ एक्ट का मामला कायम किया गया है। इस टीम ने पकड़ा जुआ। जुआ पकड़ने वाली टीम में थाना प्रभारी कुंडीपुरा उप निरीक्षक महेन्द्र भगत, द्धठ संतोष बघेल, द्धठ शैलेंदमरकाम एवम स्टाफ की मुख्य भूमिका रही है।

अष्टान्हिका पर होगा समय सार महामण्डल विधान

महोत्सव का शुभारंभ आज से , आमंत्रण पत्रिका का हुआ विमोचन

छिन्दवाड़ा। जैनदर्शन का अनादि निधन शाश्वत महापर्व अष्टान्हिका का मंगलमय शुभारंभ आज आषाढ़ शुक्ल अष्टमी 26 जून से हो रहा है। इस अवसर पर धर्म नगरी छिन्दवाड़ा सहित संम्पूर्ण विश्व की सकल जैन समाज के साथ जिनवाणी तत्वरसिक दिगम्बर जैन मुमुक्षु समाज एवं अखिल भारतीय जैन युवा फेडरेशन आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा 3 जुलाई तक विविध अनुष्ठानों के साथ महापर्व की मंगल आराधना करेगा एवं 4 जुलाई को श्री वीरशासन जयंती महोत्सव मनावेगा।फेडरेशन सचिव दीपकराज जैन ने बताया कि आठ दिवसीय मंगल महोत्सव पर अहिंसा स्थली गोल गंज स्थित श्री आदिनाथ दिगम्बर जिनालय में श्री समयसार महामण्डल विधान का आयोजन हिम्मतनगर से पधारे प्रतिष्ठाचार्य पण्डितश्री रजनीभाई दोशी के मंगल सानिध्य में उज्जैन से पधारे विधानचार्य पण्डितश्री अशोककुमार जैन एवं पं. ऋषभ शास्त्री छिन्दवाड़ा के कुशल निर्देशन में विधि विधान पूर्वक संम्पन्न होगा। समयसार विधान कराने का सौभाग्य श्रीमती सुनीता गोविंदप्रसाद जैन परिवार को प्राप्त हुआ है। जिसमे प्रतिदिन प्रात: 6.50 से श्री जिनबिम्ब प्रक्षालन के साथ श्री जिनेन्द्र पूजन एवं श्री समयसार विधान का आयोजन किया जावेगा।प्रवचनों की श्रंखला में प्रात: 9.30 बजे से वीतराग भवन में पं. रजनीभाई दोशी के प्रवचन, दोपहर 3 बजे से स्वाध्याय भवन में बाल ब्रह्मचारणी डॉ. आरती बहनजी द्वारा शास्त्र स्वाध्याय, रात्रि 8 बजे से वीतराग भवन में आध्यात्मिक पाठ पं. अशोक जैन उज्जैन द्वारा एवं 8.30 बजे से पं. रजनीभाई दोशी के मंगल प्रवचनों का लाभ सकल समाज को प्राप्त होगा।

विशेष आयोजन के अंतर्गत आज सोमवार 26 जून को प्रात: 7 बजे मंगल कलश शौभायात्रा विधान आयोजनकर्ता परिवार गोविंदप्रसाद जैन के निवास गणेश चौंक से श्री आदिनाथ जिनालय गोल गंज तक निकाली जावेगी, जहां 8 बजे से मंगल कलश स्थापना एवं ध्वजारोहण किया जावेगा पश्चात इंद्र प्रतिष्ठा कर समयसार महामण्डल विधान का शुभारंभ होगा।

आमंत्रण पत्रिका का हुआ विमोचन

अष्टान्हिका महापर्व पर आयोजित श्री समयसार महामण्डल विधान की आमंत्रण पत्रिका का विमोचन स्वाध्याय भवन में बा. ब्र. महेन्द्रकुमार जैन, मण्डल के मंत्री अशोक वैभव, फेडरेशन सचिव दीपकराज जैन, पं. ऋषभ शास्त्री के हस्ते डॉ. के. सी. जैन, विमल जैन, अरुण जैन, राजकुमार जैन, वर्धमान जैन, आदेश जैन, श्रीमती सुनीता गोविंदप्रसाद जैन सहित आयोजक परियार के सदस्यों की उपस्थिति में किया गया।

मिडास संस्था सौंसर में हुआ विक्ट्री सेलिब्रेशन

छिंदवाड़ा/सौंसर। मिडास कोचिंग संस्था के क़रीब 1000 बच्चों के संख्या में 23 जून को मिडास के फाउंडर/डायरेक्टर श्री विकास कुमार सिंह जी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में प्रोग्राम रखा गया जिसमे पूरे सौंसर तहसील में बच्चों का रैली निकाल कर आईआईटी एवं नीट 2023 की परीक्षा में उत्तीर्ण हुए उन सभी छात्रों एवं उनके माता-पिता के साथ बड़े ही धूम-धाम से गाने-बाजे के साथ उनका फूल माला से ज़बरदस्त स्वागत सत्कार किया गया। हाल ही में घोषित हुए 2023 की परीक्षा परिणाम में मिडास के बच्चों ने हर तरफ़ से हर साल की तरह इस साल भी यह साबित कर दिखाया की उनके जैसा 10 साल से रिजल्ट देने में कोई दूसरा कोचिंग नहीं है एवं हर साल मिडास अपना ही रिजल्ट का रिकॉर्ड को तोड़ता हुआ आगे जा रहा है जिसमे इस साल भी 10 बच्चों ने आईआईटी एडवांस की परीक्षा और 52 बच्चों ने जेईई मैंस की परीक्षा में सफलता हासिल किए एवं नीट मी भी 82 में से 78 बच्चों ने क्वालीफाई कर चेतना हिंगवे ने 630 अंक और रिदेश यमदे ने भी 625 अंक और 9 बच्चों ने 500 से अधिक एवं 22 बच्चों ने 400 से अधिक अंक प्राप्त कर पूरे सौंसर-छिन्दवाड़ा ज़िले में दमदार प्रदर्शन दिया। इतना ही नहीं बल्कि मिडास के बच्चों ने लगातार 5 साल से डिस्ट्रिक्ट टॉप जेईई मैंस की परीक्षा में रहे है इस साल भी अमन राष्ट्रपाल धोक पूरे ज़िले में टॉप किया है जेईई मैंस में 99.31 परसेंटाइल लाकर मिडास कम फीस में बहुत ही बेहतर होनहार अनुभवी शिक्षकों के साथ हर साल सौंसर के ज़ादातर वर्कर एवं खेती किसानों के बच्चों का भविष्य संवारता आ रहा है और उनका सपना पूरा कर रहा है जिसमे कई सौंसर से बाहर पढ़ाई करने वाले बच्चों का पैसा खर्च होने के बाद भी रिजल्ट वैसा नहीं आ पाता जिसका कारण बाहर के भीड़ में खो जाना है।

आपकी शहर सरकार आपके द्वार लेकर पहुँच रही है विकास कार्यों की बहार

छिंदवाड़ा। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री आदरणीय कमलनाथ जी एवं छिंदवाड़ा जिले के लाड़ले सांसद आदरणीय नकुलनाथ जी के अनुरूप छिंदवाड़ा की शहर सरकार छिंदवाड़ा के चौतरफा विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं जिसका परिणाम है कि शहर सरकार प्रत्येक वार्ड में जाकर विकास कार्यों को गति दे रही हैं एवं वार्डवासियों की समस्या से अवगत हो रही हैं एवं जैसा कि चुनावी दौरान वादा किया गया था कि कांग्रेस की नगर निगम बनने के बाद जनता को नगर निगम के चक्कर नही लगाने पड़ेंगे अपितु नगर निगम की शहर सरकार खुद आपके द्वार आकर आपकी समस्याओं से अवगत होगी एवं यथास्थान पर हर सम्भव समाधान करेगी उसी वचन को निभाने का काम छिंदवाड़ा की शहर सरकार कर रही हैं एवं आपका महापौर आपके द्वार कार्यक्रम के अंतर्गत आज वार्ड क्रमांक 10 में 30 लाख 30 हजार रुपये की लागत से स्ट्रीट लाइट लगवाने हेतु भूमिपूजन किया गया एवं आदरणीय कमलनाथ जी का आगामी विधानसभा चुनाव में जो वचन है 500रुपये में सिलेण्डर, 100 यूनिट बिजली बिल माफ एवं 200 यूनिट बिजली बिल हॉफ एवं नारी सम्मान योजना के अंतर्गत प्रत्येक महिला को 1500 रुपये महीना दिया जाना है जिसके बारे में वार्डवासियों एवं महिलाओं को अवगत कराया गया।

एम एल बी स्कूल में पर्यटन क्विज का आयोजन 27 जुलाई को

छिंदवाडा। जिला प्रशासन,स्कूल शिक्षा विभाग एवं जिला पुरातत्व एवं पर्यटन परिषद छिंदवाड़ा के संयुक्त तत्वावधान में मध्य प्रदेश पर्यटन क्विज का आयोजन आगामी 27 जुलाई 2023 को शासकीय एमएलबी स्कूल छिंदवाड़ा में किया जाएगा। छिंदवाड़ा जिले के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के कक्षा 9वी से 12वीं में अध्ययनरत विद्यार्थी इस पर्यटन क्विज प्रतियोगिता में भाग लेंगे। आयोजन संबंधी जानकारी देते हुए जिला शिक्षा अधिकारी जी.एस. बघेल ने बताया,कि मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड के द्वारा पंजीयन प्रक्रिया आरंभ कर दी गई है केवल पंजीकृत तीनों के विद्यार्थी ही प्रतियोगिता में भाग लेने के पात्र होंगे। विद्यार्थियों के पंजीयन हेतु टूरिज्म बोर्ड के द्वारा वेबसाइट पर प्रदान कर दी गई है, जिसके माध्यम से प्रतिभागियों का ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन संस्था प्रमुख के द्वारा किया जावेगा . पंजीयन की अंतिम तिथि 8 जुलाई 2023 को शाम 5:30 तक निर्धारित की गई है। प्रत्येक विद्यालय से 3-3 विद्यार्थियों की टीम का चयन संस्था प्राचार्य के द्वारा किया जावेगा एवं उनका ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड की वेबसाइट पर किया जाएगा। इसमें भाग लेने वाले विद्यार्थियों की टीमों के बीच 27 जुलाई को प्रथम चरण में सुबह 10 से 12 बजे तक लिखित प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। मूल्यांकन उपरांत इस लिखित प्रतियोगिता के माध्यम से चयनित छह टीमों के बीच द्वितीय चरण में दोपहर 2:30 से 4:30 बजे मल्टीमीडिया क्विज आयोजित किया जाएगा।

चाक चौबंध व्यवस्था के साथ
प्रधानमंत्री मोदी के स्वागत में तैयार राजधानी

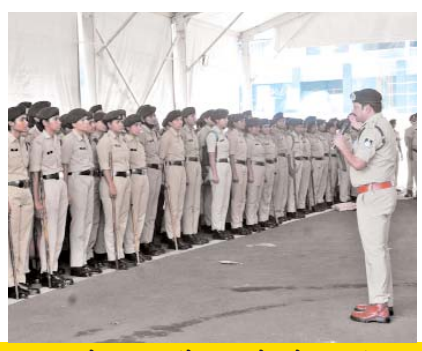

भोपाल में प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में हैं। होर्डिंग बैनर से सड़कें पट गई हैं। जगह-जगह बैरीगेट लग गए हैं। रानी कमलापत स्टेशन पर वंदे भारत ट्रेन के शुभारंभ समारोह के लिए प्लेटफार्म तैयार हो गया है। सुरक्षा व्यवस्था की तैनाती चल रही है।

सतत् संवाद से संभव होता विकास और बदलाव

विष्णुदत्त शर्मा

विश्व के सबसे लोकप्रिय राजनेता प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र भाई मोदी की संवादपरकता का लोहा सारी दुनिया मानती है। आज सांसार के सभी शक्तिशाली लोग उनसे मिलने को आतुर रहते हैं। विविध क्षेत्रों की श्रेष्ठ शख्सियतें भी मोदी की मुरीद हैं। किसी बड़े देश का राष्ट्राध्यक्ष हो या बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनी का मुखिया, वह भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का सानिध्य चाहता है। हाल की उनकी अमेरिका यात्रा के दौरान यह दृश?य सभी ने देखा है। अमेरिकी कॉंग्रेस में मोदी के भाषण के दौरान भी मोदी-मोदी के नारे से सीनेट लगातार गूँजता रहा था।

इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय योग दिवस अमेरिका में मोदी के नेतृत्व में रिकॉर्ड बन गया, जहां एक साथ 137 देशों के लोगों ने योग किया। भारतीय योग का परचम फहराने वाले श्री नरेंद्र मोदी की यह विशिष्टता है, कि वे बड़ी चीजों पर जितना ध्यान देते हैं, उससे कहीं अधिक छोटी दिखने वाली चीजों पर देते हैं। भारत से बाहर वे जहां भी जाते हैं, वहां प्रवासी भारतीयों से अवश्य मिलते हैं और उनसे संवाद करते हैं।अत्यंत व्यस्त होते हुए भी प्रधानमंत्री ने अमेरिका के एक हजार प्रवासी भारतीयों से संवाद किया। मोदी एकमात्र ऐसे प्रधानमंत्री हैं, जिनका भाषण सुनने विदेशों में भी हजारों लोग लालायित रहते हैं। अमेरिकन कम्युनिटी फाउंडेशन के अध्यक्ष भरत बरई के मुताबिक वैश्विक भारतीय डायस्पोरा के लिए मोदी सबसे लोकप्रिय भारतीय प्रधानमंत्री हैं और अब वह सबसे लोकप्रिय विश्व नेता हैं।

दरअसल, जनतंत्र में लोकप्रियता का सूत्र है सतत् संवाद। जहां संवाद नहीं होगा, वहां लोकप्रियता नहीं होगी। संगठन में शुरु से ही श्री नरेंद्र मोदी जी अपनी संवाद शैली से जाने जाते रहे हैं। उनके रग-रग में संगठन-भाव है। शीर्ष पद पर बैठकर भी वे जितनी सहजता से ताकतवर नेताओं व उद्योगपतियों आदि से संवाद करते हैं, उससे कहीं अधिक सहजता से वे अपने कार्यकर्ताओं से संवाद करते हैं। निचले पायदान पर सक्रिय कार्यकर्ताओं से संवाद का कोई भी अवसर वे नहीं छोड़ते। यही कारण है कि भाजपा का हर कार्यकर्ता नरेंद्र मोदी से जुड़ा हुआ महसूस करता है। कार्यकर्ताओं के प्रति उनका कुटुंब-भाव यह दर्शाता है कि भाजपा एक कैडर आधारित दल है। जहां कोई भी कार्यकर्ता अपने बीच से निकले प्रधानमंत्री से सहज संवाद कर सकता है। दशकों पहले संगठन-कार्य करते हुए मोदी जी ने यह विश्वास स्थापित किया है। नेतृत्व की यह विशेषता ही हम सबकी थाती है। संगठन में सतत् संवाद भाजपा की विरासत है, जिसे मोदी जी ने नयी ऊँचाई दी है। तकनीकी उपयोग द्वारा उन्होंने इस परंपरा को नयी पहचान दी है। नमो एप के जरिये देशभर के कार्यकर्ताओं का उनसे सतत् संपर्क संभव है। साथ ही सरकार की योजनाओं और प्रधानमंत्री का संदेश नीचे तक सीधे पहुंचता है।

आज भोपाल में प्रधानमंत्री मोदी की उपस्थिति में कार्यकर्ताओं का महाकुंभ इस कड़ी में एक नया अध्याय लेकर आया है। 'मेरा बूथ-सबसे मजबूत' कार्यक्रम के जरिये मोदी जी देशभर के 10 लाख बूथों के करोड़ों कार्यकर्ताओं से संवाद का इतिहास रचेंगे। राजनीतिक इतिहास में बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं से सीधे संपर्क का यह आयोजन एक जनप्रिय नेता ही कर सकता है। यह संकल्प वही पूरा कर सकता है, जो कार्यकर्ताभाव से भरा हुआ हो। ये उसी नेता के द्वारा संभव है, जो मूल तत्व के महत्व को समझता हो और उसे सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध हो।

बड़े-बड़े पुराने दल के नेता आज दर-बदर घूम कर समर्थन जुटाने में व्यस्त हैं। सत्ता के लिए वे न जाने कितने दरवाजे खटखटा रहे हैं। जिनके पास नेता और कार्यकर्ता दोनों का अभाव है, उनसे भी दोस्ती की भीख मांग रहे हैं। परन्तु कार्यकर्ता आधारित पार्टी का नेता विदेश से लौटकर सीधे अपने बूथ की ओर देख रहा है। वह अपने बूथ के कार्यकर्ता से सीधे संवाद करने के लिए हाजिर है। यही है पार्टी विथ डिफरेंस। यहां कार्यकर्ताओं की अहमियत का अंदाजा बात से लगाया जा सकता है कि गुजरात विधानसभा चुनाव की जीत के बाद मोदी जी ने कहा था कि इस विजय में पन्ना और बूथ समितियों के कार्यकर्ताओं की अतुलनीय भूमिका है।

उल्लेखनीय है कि आज विश्व की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा जमीन से लेकर डिजीटल तक सभी प्रकार के प्लेटफार्म पर दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है। 'मेरा बूथ-सबसे मजबूत' अभियान से जुड़े जिन कार्यकर्ताओं से आज मोदी जी संवाद करेंगे, उनकी चयन प्रक्रिया भी एक लोकतांत्रिक इतिहास का अहम पड़ाव बन गया है। इसके तहत देश के सभी विधानसभा और लोकसभा से दस-दस नाम चुने गये। ये नाम देशभर के सभी प्रमुख नेताओं को सौंपे गये, जिन्होंने इन दस बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओं के साक्षात्कार लिये। बूथ से जुड़े प्रश्नों को लेकर बनाए गये मानदंडों पर बेहतर प्रदर्शन वाले प्रत्येक लोकसभा से पांच-पांच लोग मिलाकर कुल तीन हजार लोगों का चयन हुआ, जो भोपाल में प्रधानमंत्री से संवाद के लिए प्रत्यक्ष उपस्थित हो रहे हैं। इसके अलावा देशभर के 10 लाख बूथों के करोड़ों कार्यकर्ता भी डिजिटल तौर पर मोदी जी से सीधे जुड़ेंगे।

कार्यकर्ता आधारित संगठन की घोषणा को चरितार्थ करने वाला यह समागम ऐतिहासिक है। यह इस बात का भी प्रमाण है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री श्री अमित शाह और राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जेपी नड्डा के भीतर मौजूद कार्यकर्ताभाव के कारण आज देश में गरीब कल्याण की योजनाएं जमीन पर उतर रही हैं।निरंतर संवाद के कारण ही आज देश में गरीबों और गांवों को ध्यान में रखकर नीतियां और योजनाएं बनती हैं। एक साधारण कार्यकर्ता से चलकर देश में शीर्ष पायदान तक पहुंचने वाले मोदी जी का साधारण कार्यकर्ताओं से संवाद उत्प्रेरक का काम करता है। उनका यह कदम मौजूदा चुनौतियों से निपटने और आगे के विकास और बदलाव के लिए मार्ग भी दिखाता है।

वस्तुतः भाजपा में नेता और कार्यकर्ता एक दूसरे के पूरक हैं। यहां परस्परता और सहकारिता की संस्कृति है। सभी का लक्ष्य केवल चुनाव जीतना नहीं, बल्कि राष्ट्र-निर्माण है। भाजपा सरकार की जनसेवा, सुशासन और गरीब कल्याण की नीतियों में कार्यकर्ता की अपनी भूमिका भी निहित है।यही वजह है कि आज अन्त्योदय की भावना से गरीबों के जीवन बदलने का सपना साकार हो रहा है।

दलगत व्यवस्था में जमीनी स्तर पर सतत् संवाद रखने वाला नेतृत्व समाज की समस्याओं का हल लेकर आता है। नेता, नीयत और नीति से ही जनकल्याण का संकल्प संभव है। जनभावनाओं से कटे हुए नेता विदेशों में जाकर देश की आलोचना करते हैं। उन्हें देश की नब्ज समझने का सलीका नहीं होता। गृह मंत्री श्री अमित शाह हर बूथ पर 51 प्रतिशत वोट हासिल करने का जो मंत्र देते हैं, उसमें यही संदेश निहित है कि कार्यकर्ता अपने बूथ पर अधिकांश लोगों तक अपना जीवंत संवाद बनाए रखे।

पूर्व में मध्यप्रदेश की राज्य इकाई ने सफल बूथ विस्तारक अभियान चलाया था। चुनावी राजनीति में बूथ सशक्तिकरण का सामर्थ्य कैडर आधारित दल में ही है। देशभर के बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओं का एक परिवार की तरह एकत्र होकर संकल्प लेना भी ऐतिहासिक है।भाजपा के पितृपुरुष श्री कुशाभाऊ ठाकरे की कर्मभूमि पर बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओं के महाकुंभ में प्रधानमंत्री मोदी की उपस्थिति में आयोजित 'मेरा बूथ, सबसे मजबूत' कार्यक्रम भाजपा की सकारात्मक राजनीति को एक नया संकल्प और एक नई शक्ति प्रदान करने वाला है। आज का दिन दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में किसी दल के नेता द्वारा कार्यकर्ताओं से संवाद का साक्षी बनेगा।

-लेखक भाजपा मध्यप्रदेश के अध्यक्ष एवं खजुराहो लोकसभा से सांसद हैं

मप्र में मानसून का धमाकेदार प्रवेश

भोपाल। मध्यप्रदेश में मानसून ने धमाकेदार एंट्री की। 24 घंटे में बैतूल में 4 इंच से ज्यादा पानी गिर गया। भोपाल, रतलाम, खंडवा, जबलपुर में 2 इंच से ज्यादा बारिश हुई। दमोह में तेज आंधी-पानी के बीच रविवार रात शादी का टेंट गिर गया। इसमें आठ लोग घायल हो गए। नर्मदापुरम के पिपरिया में सब्जी मंडी की नालियां चोक होने से पूरे मार्केट में पानी भर गया। नर्मदापुरम के बनखेड़ी में भी पानी भर गया।

सोमवार को छिंदवाड़ा, सिवनी और बालाघाट में अति बारिश होने का अलर्ट है। यहां 4 इंच या इससे ज्यादा पानी गिरने का अनुमान है। भोपाल, विदिशा, रायसेन, सीहोर, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, नरसिंहपुर और सागर में हेवी रैन हो सकती है। बाकी हिस्सों में बूंदाबांदी होने का अनुमान है। मानसून के एक्टिव होने से बिजली गिरने के मामले भी बढ़ सकते हैं, इसलिए मौसम विभाग ने एडवायजरी जारी की है।

भोपाल में 29 जून तक हेवी रैनः राजधानी भोपाल में 29 जून तक

हेवी रैन होने की संभावना है। 26 जून से लगातार चार दिन तक तेज बारिश होगी। इससे दिन और रात के तापमान में गिरावट होगी। 27 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी भोपाल में आ रहे हैं। इस दौरान भी बारिश हो सकती है।

इन जिलों में 4 दिन बारिशः भोपाल, विदिशा, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, जबलपुर, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, मंडला समेत कई जिलों में लगातार तीन से चार दिन भारी बारिश हो सकती है।

इन जिलों में भारी बारिशः 26 से 29 जून के बीच सीहोर, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, उज्जैन, देवास, शाजापुर, आगर-मालवा, मंदसौर, जबलपुर, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, बालाघाट में भारी बारिश हो सकती है। ढाई से चार इंच तक बारिश होने का अनुमान है।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने श्यामला हिल्स स्थित उद्यान में बरगद ,करंज और अमरुद के पौधे रोपे।

मानसून सत्र में कर्मचारियों की मांगे पूरी करें सरकारः अशोक पांडे

भोपाल। मध्य प्रदेश के 7.50 लाख सरकारी कर्मचारियों की लंबित मांगों को स्वीकृत करने के लिए सरकार मांगों पर आने वाले वित्तीय भार का उच्च स्तरीय आकलन करके 10 जुलाई 2023 से शुरू हो रहे विधानसभा के मानसून सत्र में मांगों को मंजूर करने की घोषणा करें यह मांग आज मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को मांग पत्र सौंप कर की है।

मध्यप्रदेश कर्मचारी मंच के प्रांत अध्यक्ष अशोक पांडे ने जारी विज्ञप्ति में बताया कि प्रदेश के सरकारी कर्मचारियों की ओ पी एस का लाभ देने केंद्रीय चित्र महंगाई भत्ते डा एरियर का भुगतान करने वृत्ति कर समाप्त करने स्थायी कर्मियों को सातवां वेतनमान एवं अनुकंपा नियुक्ति का लाभ देने दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को नियमित करने वन रक्षकों का 5680 वेतन मान एवं 2400 ग्रेड पे का लाभ देने संविदा कर्मचारियों को शासकीय कर्मचारियों के समान वेतनमान एवं सुविधाएं देने कर्मचारियों का गृह भाड़ा भत्ता यात्रा भत्ता बढ़ाने उच्च स्तरीय मेडिकल सुविधा प्रदान करने सरकारी कर्मचारियों की वेतन विसंगति दूर करने दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी से नियमित हुए है नियमित कर्मचारियों को दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी सेवा अवधि की वरिष्ठता प्रदान करने आदि मांगे लंबे समय से सरकार के समक्ष विचाराधीन है लेकिन सरकार इन मांगों को पूरा करने के लिए बजट में प्रावधान नहीं कर रही है इस कारण मांगे न्यायोचित होने के बावजूद भी मंजूर नहीं हो पा रही है मांगे मंजूर करने की दिशा में नौकरशाही भी नकारात्मक रवैया अपना रही है इसलिए मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपकर न्यायोचित मांगों पर सकारात्मक निर्णय लेकर मांगों को मंजूर करने की घोषणा करने मांगो पर आने वाले व्यय का बजट विधानसभा के आगामी मानसून सत्र में प्रस्तुत किए जा रहे अनु पूरक बजट में स्वीकृत करने की मांग करी है।

मध्य प्रदेश के ऊर्जा मंत्री में इतना करंट कि जल गया बल्ब, ज्योतिरादित्य सिंधिया भी देखकर हुए दंग

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया रविवार को ग्वालियर में आयोजित एक सामाजिक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होने पहुंचे थे। इस दौरान यहां एक जादूगर उन्हें जादू दिखाया। जिसमें ऊर्जा मंत्री के सिर पर बिना बिजली बल्ब लगा दिया। बल्ब लगाते ही बल्ब जल उठा। जिसे देख केंद्रीय मंत्री सिंधिया भौचक्के रह गए।

दरअसल, आज प्रदेश ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ग्वालियर में कोली समाज के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे थे, जहां उनका मंच पर एक जादूगर से आमना-सामना हुआ। जादूगर ने केंद्रीय मंत्री सिंधिया और ऊर्जा मंत्री का स्वागत जादू दिखाकर किया। उसने बिना बिजली कनेक्शन के एक बल्ब को ऊर्जा मंत्री के सिर पर रखा तो वह एकाएक जल उठा।

बल्ब जलते ही मंच पर मौजूद केंद्रीय मंत्री सिंधिया और अन्य अतिथि हैरान रह गए तो वहीं पंडाल में मौजूद लोगों ने भी तालियां बजानी शुरु कर दी। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने उसी बल्ब को जादूगर के सिर पर रखा तो बल्ब नहीं जला। उन्होंने कई बार बल्ब जलने का प्रयास किया, लेकिन बल्ब नहीं जला। इस बीच मंच पर शोर सुनाई दिया कि, ऊर्जा मंत्री में कितना करंट है।

भोपाल जिला न्यायालय में आज रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इसमें न्यायाधीश एवं अधिवक्ताओं ने रक्तदान किया।